# पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 195

ग्वालियर, शनिवार, 4 सितंबर, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

## वन-टू-वन

### कानून से ऊपर कोई नहीं : मंत्री डॉ. मिश्रा

**भोपाल।** गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने पुलिस कंट्रोल रूम खंडवा में जिले की कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ की स्थिति में कोई समझौता नहीं किया जाए। कानून का उल्लंघन करने वालों से सख्ती से निपटा जाए। कानून से बढ़कर कोई नहीं है। गृह मंत्री डॉ.मिश्रा ने अधिकारियों से जिले की जानकारी प्राप्त की। पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने जिले की 3 वर्षों की उपलब्धि से अवगत कराया। बैठक में खण्डवा विधायक देवेन्द्र वर्मा, पंधाना विधायक राम दांगोरे, मांधाता विधायक नारायण पटेल, आई जी हरिनारायणचारी मिश्र, डीआईजी तिलक सिंह सहित अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

### भिवंडी में झोंपड़ी का हिस्सा गिरने से एक व्यक्ति की मौत, दो घायल

**ठाणे (ए)।** महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी कस्बे में शुक्रवार को एक झोंपड़ी का हिस्सा गिरने से 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि दो महिलाएं घायल हो गई हैं। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख संतोष कदम ने बताया कि यह घटना आजमी नगर में सुबह करीब 10 बजे हुई। अधिकारी ने बताया कि पीड़ित की पहचान रजक के रूप में हुई, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अज्ञात महिलाएं घायल हो गई और उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराय गया है। उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिस, दमकल विभाग और आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ की टीमें बचाव एवं राहत कार्यों के लिए घटनास्थल पर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने बालकनी के शेष हिस्से को तोड़ दिया है।

### सुदूर पूर्व के विकास में भारत रूस का विश्वसनीय भागीदार बनेगा भारत: मोदी

**नई दिल्ली (ए)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मुझे ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए खुशी हो रही है। इस सम्मान के लिए मैं रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन को धन्यवाद देता हूं। मेरी नजर में ब्लादिवोस्तोक यूरेशिया और प्रशांत का संगम है। भारतीय इतिहास और सभ्यता में %संगम% का अर्थ है निकट आना। मेरी नजर में व्लादिवोस्तोक यूरेशिया और प्रशांत का %संगम% है। उन्होने कहा कि मैं रूसी सुदूर पूर्व के विकास के लिए राष्ट्रपति पुतिन के दृष्टिकोण की सराहना करता हूं। इस विज़न को साकार करने में भारत रूस का एक विश्वसनीय भागीदार होगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और रूस ने कोविड के बावजूद कारोबार में सुधार किया है। इसमें भारतीय इस्पात उद्योग को कोकिंग कोल की लंबी अवधि की आपूर्ति शामिल है। हम कृषि उद्योग, चीनी मिट्टी की चीज़ें, सामरिक और दुर्लभ पृथ्वी खनिजों और हीरे में भी नए अवसर तलाश रहे हैं।

## अपराधियों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाए

# जिले में टीम भावना से कानून व्यवस्था प्रबंधन कार्य सराहनीय: गृह मंत्री डॉ. मिश्रा

**भोपाल।** गृह मंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा ने कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए बुरहानपुर में टीम भावना से किए जा रहे कार्यो की सराहना की। गृह मंत्री डॉ. मिश्रा बुरहानपुर के कोतवाली थाना स्थित पुलिस कन्ट्रोल रूम में बैठक कर समीक्षा कर रहे थे।

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपराधियों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाए। विवेचना का कार्य तेजी से सुनिश्चित किया जा कर शीघ्रता से अपराधियों को सजा दिलाए जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति घटित होने वाले अपराधों में कमी लाया जाना निहायत ही जरूरी है, इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाए। डॉ. मिश्रा ने एफ आई आर- आपके द्वार और ई -एफ आई आर पर चर्चा करते हुए जिले में क्रियान्वयन बेहतर करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक राहुल कुमार लोढा ने जिले में कानून व्यवस्था के संबंध में की गई कार्यवाहियाँ एवं विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में अवगत



कराया। उन्होंने जिले में महिलाओं के विरूद्ध घटित आपराधिक प्रकरणों, रासुका प्रकरणों, एसटी/एससी पर घटित आपराधिक प्रकरणों एवं चिन्हित अन्य अपराधों पर की गई कार्यवाहियों के साथ ही अवैध शराब माफियाओं के विरूद्ध की गई कार्यवाहियों की विस्तृत रूप से जानकारी दी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्रीमति अर्चना चिटनिस, विधायक बुरहानपुर ठा. सुरेंद्र सिंह, विधायक नेपानगर श्रीमती सुमित्रा देवी कास्डैकर, पुलिस महानिरीक्षक हरिनारायणचारी मिश्र, पुलिस उप महानिरीक्षक तिलक सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि व पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

**डॉ. मिश्रा ने अटल स्मृति स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की:** गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने बुरहानपुर में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की स्मृति में बनाए गए अटल स्मृति स्थल पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनीस व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

**डॉ. मिश्रा ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्व.पटेल के परिजनों से की मुलाकात:** गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा बुरहानपुर प्रवास के दौरान सांसद व भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष स्व. नंदकिशोर सिंह चौहान के निवास पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात की।

## पीएम मोदी के सत्ता में आने के बाद जम्मू-कश्मीर को छोड़कर देश में कहीं कोई बड़ा हमला नहीं हुआ : राजनाथ

### अगले साल 10 से 13 मार्च के बीच गांधीनगर में आयोजित होगा रक्षा एक्सपो-2022

**केवडिया ए)।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पदभार ग्रहण करने के बाद से जम्मू कश्मीर को छोड़कर देश में कहीं भी कोई बड़ा आतंकवादी हमला नहीं हुआ। उन्होंने दावा किया कि आतंकवादी केंद्र सरकार से डरे हुए हैं। नर्मदा जिले के केवडिया में भाजपा की गुजरात इकाई की कार्यकारिणी की तीन दिवसीय बैठक के दूसरे दिन प्रदेश के पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि कांग्रेस सेना के जवानों के प्रति संवेदनशील नहीं है। उसने वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) के मुद्दे को 40 साल तक उलझाए रखा। उन्होंने कहा हमने आतंकवादियों के मंसूबे सफल नहीं होने दिए। यही वजह है कि पिछले सात सालों में जम्मू कश्मीर एवं आसपास के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर देश में कहीं भी कोई बड़ी आतंकवादी वारदात नहीं हुई। इससे जाहिर होता है कि आतंकवादी भाजपा सरकार से डर गए हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है। राजनाथ सिंह ने कहा आतंकवादियों ने अब अहसास कर लिया है कि वे अपने पनाहगाह में भी सुरक्षित नहीं हैं। उरी हमले के बाद हमने जो (पीओके में सर्जिकल स्ट्राइक) किया, उसने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि हम जरूरत पड़ने पर इस तरफ और सीमा को पार करके भी आतंकवादियों की जान ले सकते हैं।

## प्रियंका ने फिरोजाबाद में बुखार से मौतों पर जताई चिंता

**नई दिल्ली (ए)।** कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद और कुछ अन्य जिलों में वायरल एवं डेंगू बुखार से कई लोगों की मौत पर चिंता व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि लोगों को हरसंभव स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराई जाए और बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए उचित कदम उठाये जाएं। उन्होंने सवाल किया कि क्या उत्तर प्रदेश सरकार ने कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान पैदा हुई स्थिति से कोई सबक नहीं लिया? कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका ने ट्वीट किया उत्तर प्रदेश में वायरल बुखार से 100 से अधिक लोगों की मौत की खबर पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। क्या उप्र सरकार ने कोविड की दूसरी लहर के दौरान अपने त्रासदीपूर्ण प्रबंधन के भयावह परिणामों से कोई सबक नहीं लिया है? उन्होंने कहा सभी संभव संसाधनों का उपयोग प्रभावित लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए करने का निर्देश दिया जाए।

## हिन्दुत्व मुद्दे के बाद नितिन पटेल का गौरक्षा को लेकर बड़ा बयान



**अहमदाबाद (ए)।** गुजरात के उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल बहुसंख्यक हिन्दू मुद्दे के बाद अब गौरक्षा को लेकर बडा बयान दिया है केवडिया में गुजरात प्रदेश भाजपा कारोबारी की बैठक के तीसरे व अंतिम दिन नितिन पटेल ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के फैसले पर प्रतिक्रिया दी नितिन पटेल ने कहा कि गौ माता हिन्दू धर्म एवं संस्कृति में हजारों वर्षो से पूजनीय है भारत सरकार और राज्य सरकार भी गौ माता की सुरक्षा के लिए कटिबद्ध है किसी भी प्राणी, पशु या पक्षी को राष्ट्रीय स्तर का दर्जा देने की सत्ता भारत सरकार के पास है गुजरात में गौहत्या पर प्रतिबंध है और उसके खिलाफ कड़ा कानून है गुजरात सरकार ने तो गौहत्या करनेवालों को जेलों में ठूंस दिया है और आगे भी यह जारी रहेगा गौरतलब है दो दिन पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि गाय का भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान है। गाय को भारत देश में मां के रूप में जाना जाता है और देवताओं की तरह उसकी पूजा होती है। इसलिए गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा दिया जाना चाहिए।

## अफगानिस्तान से निकलने के लिए कई महिलाओं ने काबुल एयरपोर्ट पर की शादी

**काबुल (ए)।** अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद हजारों की संख्या में लोग किसी भी तरह देश छोड़ देना चाहते थे। महिलाओं को अफगानिस्तान छोड़ने में सबसे ज्यादा दिक्कत आई, अब पता चला है कि काबुल एयरपोर्ट पर कई लड़कियों की जबरन शादी हुई, ताकि वहां देश छोड़ सकें। रिपोर्ट के मुताबिक, काबुल एयरपोर्ट पर जब अकेली लड़कियों और महिलाओं को एंट्री मिलने में दिक्कत आ रही थी तब कई युवतियों की वहां पर जबरन शादी हुई। इसके अलावा कुछ महिलाओं ने पुरुषों को खुद का पति बताया और तब जाकर उन्हें फ्लाइट में एंट्री मिल पाई। ये मामला अधिकतर उन महिलाओं के साथ आया है, जो अफगानिस्तान से पहले यूएई गईं और बाद में अमेरिका के लिए रवाना हुईं। इतना ही नहीं कई परिवारों ने कुछ पुरुषों को पैसे दिए ताकि वहां उनकी लड़कियों से शादी कर बतौर परिवार अफगानिस्तान

सुरंग मिली | दिल्ली विधानसभा में

## सुरंग जैसी संरचना मिली, लालकिले तक जाती हैं

**नई दिल्ली (ए)।** दिल्ली विधानसभा में सुरंग जैसी संरचना मिली है। इसबारे में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने कहा कि सुरंग विधानसभा को लाल किले से जोड़ती है। स्वतंत्रता सेनानियों की आवाजाही के समय अंग्रेजों द्वारा लोगों के गुस्से से बचने के लिए इसका इस्तेमाल होता था। स्पीकर गोयल ने कहा,जब मैं 1993 में विधायक बना, तब यहां मौजूद एक सुरंग के बारे में अफवाह उड़ी जो लाल किले तक जाती है और मैंने इसके इतिहास की खोज करने की कोशिश की। लेकिन इस पर कोई स्पष्टता नहीं थी।

स्पीकर गोयल ने कहा, अब हमें सुरंग का मुंह मिला है, लेकिन हम इस आगे नहीं खोद रहे हैं क्योंकि मेट्रो परियोजनाओं और सीवर स्थापना के कारण सुरंग के सभी रास्ते नष्ट हो गए हैं। स्पीकर ने बताया कि जिस भवन में अभी दिल्ली विधान सभा है, उसका 1912 में राजधानी



को कोलकाता से दिल्ली स्थानांतरित करने के बाद केंद्रीय विधान सभा के रूप में इस्तेमाल किया गया था। बाद में 1926 में एक अदालत में बदल दिया गया था और अंग्रेजों ने स्वतंत्रता सेनानियों को अदालत में लाने के लिए सुरंग का इस्तेमाल किया था। गोयल ने कहा कि हम सभी यहां फांसी के कमरे की मौजूदगी के बारे में जानते थे, लेकिन इस कभी नहीं खोला, अब आजादी का 75वां साल था और मैंने उस कमरे का निरीक्षण करने का फैसला किया, हम उस कमरे को स्वतंत्रता सेनानियों के मंदिर में बदलना चाहते हैं, ताकि उन्हें श्रद्धांजलि दी जा सके। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश की आजादी से जुड़े दिल्ली विधानसभा के इतिहास को देखकर उनका इरादा अगले स्वतंत्रता दिवस तक पर्यटकों के लिए फांसी का कमरा खोलने का है और इसके लिए काम शुरू हो चुका है।

## दिग्गज अभिनेत्री सायरा बानो ने एंजियोग्राफी कराने से इंकार कर दिया

**मुंबई (ए)।** बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार के निधन के करीब दो दिनों के बाद से उनकी पत्नी और दिग्गज अभिनेत्री सायरा बानो की तबीयत खराब है। हाल ही में उन्हें सांस लेने में तकलीफ के बाद अस्पताल में एडमिट किया गया था। जांच में उन्हें हार्ट प्रॉबलस डायग्नॉज हुई थीं, जिसके बाद डॉक्टर्स एंजियोग्राफी करने की बात कही थीं, लेकिन हाल ही में खबर है कि सायरा ने एंजियोग्राफी कराने से इंकार कर दिया है। जांच में सामने आया था कि उनका लेफ्ट वेंट्रिकुलर फेल हो गया है।इसकारण उनकी एंजियोग्राफी होगी और फिर इलाज किया जाएगा।

## आदिवासी आक्रोश रैली के बहाने कमलनाथ फूकेंगे उपचुनाव का बिगुल



### 6 सितम्बर को बड़ी संख्या में बड़वानी में आदिवासियों के इकट्ठा होंगे, समापन पर सभा

**भोपाल।** जोबट विधानसभा से जुड़े बड़वानी जिले में पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ आदिवासी आक्रोश रैली के बहाने उपचुनाव का बिगूल फूंकने जा रहे हैं। रैली के समापन पर यह उनकी उपचुनाव की पहली सभा होगी। सभा को सफल बनाने के लिए पूर्व मंत्रियों को संगठन ने यहां जवाबदारी दे रखी है। पूरे प्रदेश में 47 आदिवासी बहुल विधानसभा सीटें हैं, इनमें सबसे ज्यादा विधानसभा झाबुआ और अलीराजपुर के साथ-साथ धार जिले में भी आती हैं। पिछले दिनों एक आदिवासी की हत्या के बाद कांग्रेस को बैठे-बिठाए आदिवासियों पर अत्याचार के विरोध का मुद्दा मिल गया है और इसी मुद्दे को लेकर खुद कमलनाथ मैदान में कूद गए हैं। चूंकि आदिवासी बहुल खंडवा लोकसभा और जोबट विधानसभा में उपचुनाव हैं, इसलिए यहां भी आदिवासियों को साधने और उनके साथ खड़े होने का दावा कांग्रेस कर रही है। जोबट में कांग्रेस विधायक कलावती भूरिया के निधन के बाद खाली हुई सीट को कांग्रेस अपने पास से नहीं जाने देना चाहती है और खंडवा को अपने खाते में डालना चाहती है। इसलिए यहां भी खासा जोर दिया जा रहा है। पहले कांग्रेस आदिवासी अधिकार रैली निकालने जा रही थी, लेकिन अब इसे आदिवासी आक्रोश रैली का नाम दिया गया है। 6 सितम्बर को यह रैली बड़वानी में आयोजित की गई है। इससे आदिवासी क्षेत्र जुड़े होने के कारण बड़ी संख्या में आसपास के आदिवासी इस रैली में भाग लेंगे।

**रैली में शामिल होंगे आदिवासी क्षेत्रों के लोग:** रैली के समापन पर कमलनाथ एक सभा को भी संबोधित करेंगे, जिसमें कांग्रेस के आदिवासी नेता और पूर्व मंत्री भी मौजूद रहेंगे। इस रैली को उपचुनाव के प्रचार की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। रैली के प्रभारी का काम देख रहे खरगोन विधायक एवं इंदौर जिला प्रभारी रवि जोशी ने बताया कि खरगोन में कम बारिश होने के बावजूद सूखा घोषित नहीं किया गया है। आदिवासियों के साथ लगातार दुर्व्यवहार हो रहा है। आदिवासी युवा बेरोजगार हैं। इन सब मुद्दों को लेकर आदिवासी समाज आक्रोशित है और कांग्रेस के साथ खड़ा हुआ है। इस रैली में नर्मदा किनारे के जिलों और आदिवासी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समाज के लोग आ रहे हैं जो भाजपा की झूठी घोषणाओं के खिलाफ अपना आक्रोश जाहिर करेंगे।

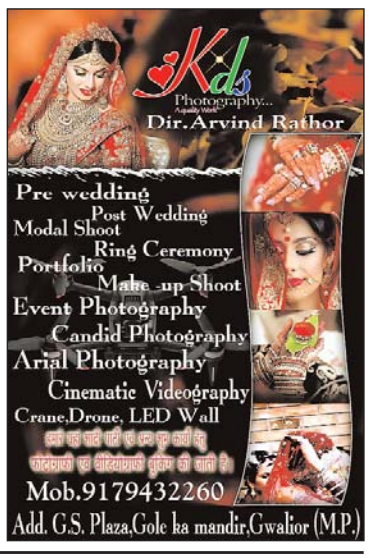

वन-टू-वन

## टेलेन्ट सर्च में जिले के 1500 खिलाड़ी अगले चरण के लिए हुए चयनित

शिवपुरी। खेल और युवा कल्याण विभाग मध्य प्रदेष में संचालित 18 खेल अकादमियों के लिये युवा व प्रतिभावान 12 से 18 वर्ष के युवा खिलाड़ियों के लिये टेलेन्ट सर्च चयन ट्रायल का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के 1500 खिलाड़ियों का अगले चरण के लिए चयन किया गया। जिले के समस्त विकासखण्डों से 1500 खिलाड़ियों द्वारा टेलेन्ट सर्च के दौरान अपने प्रतिभा का बढ़-चढ़कर प्रदर्शन किया गया। पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चन्देल ने विकासखण्ड से अगले दौर में खिलाड़ियों को चयनित होने के लिए शुभकामनाएं दी। जिला स्तरीय टेलेंट सर्च के दौरान 24 अगस्त से 03 सितम्बर तक गठित जिला स्तरीय समिति के सदस्यों ने आवश्यक सहयोग दिया।संभागीय खेल और युवा कल्याण अधिकारी एम.के. धौलपुरी ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार 03 सितम्बर को जिला स्तरीय टेलेंट सर्च में विकासखण्ड षिवपुरी के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभावान बालक/बालिका खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्षन किया। जिसमें विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। संभागीय खेल और युवा कल्याण अधिकारी एम.के. धौलपुरी ने जिला स्तरीय टेलेन्ट सर्च को सफलता पूर्वक सम्पन्न किये जाने पर गठित समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। जिन बालक/बालिका खिलाड़ियों ने टेलेंट सर्च में सभी 7 स्किल टेस्ट में तथा निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप श्रेष्ठ प्रदर्षन किया है। उन खिलाड़ियों का चयन द्वितीय चरण में होने पर संभाग स्तरीय स्किल टेस्ट में शामिल होने हेतु सूचित भी किया गया है।

## मुड़ेरी स्कूल में अंकुर अभियान के अंर्तगत किया पौधारोपण

**शिवपुरी।** अंकुर अभियान के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में शिवपुरी विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुंडेरी स्कूल कैम्पस में भी वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में फलदार और छायादार वृक्ष रोपे गए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य महावीर दीक्षित ने कहा कि वृक्ष है तो हम है क्योंकि यह वृक्ष ही है जो हमें ऑक्सीजन देते है और जिससे सारे संसार के जीव-जंतु जीवित रहते है अत- हमें इनका महत्व समझना चाहिए और इन्हें रोपकर इनकी देखभाल करना चाहियें। मुड़ेरी स्कूल ने वृहद वृक्षारोपण कर मध्यप्रदेश शासन के अंकुर अभियान को गति दी है। इस अवसर पर स्कूल में अध्ययनरत बच्चों ने भी वृक्ष लगायें इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक संतोष गर्ग, लीलाधर शर्मा एल. आर.आर्य बबीता शिवहरे, सुगंधा दुबे, कन्हैया लाल बाल्मीकि, अजय बाथम, छात्र नीरज सोनी, धर्मेंद्र रावत, गौरव रावत, नीरज बघेल, सुरेंद्र कुशवाहा, राजकुमार धाकड़, लवकुश परिहार, सुरेंद्र रावत, हिमाचल बघेल सहित समस्त स्टाफ ने भी पौधारोपण कर फोटो वायुदूत एप पर अपलोड किए।

# नेशनल लोक अदालत में विद्युत प्रकरणों का अधिक से अधिक संख्या में निराकरण कराये जाने की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित

**शिवपुरी।**

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार आगामी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 11 सितम्बर को किया जाना है। जिसमें विद्युत विभाग से संबंधित लंबित एवं प्रीलिटिंगेशन प्रकरणों का अधिक से अधिक संख्या में निराकृत कराये जाकर पक्षकारों को लाभान्वित किया जाएगा। इस संबंध में शुक्रवार को प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष विनोद कुमार की अध्यक्षता में एडीआर भवन शिवपुरी में बैठक आयोजित की गई।बैठक में उपस्थित विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा शिवपुरी में बाढ़ प्रभावित इलाकों एवं ग्रामों के प्रकरणों के निराकरण में कठिनाइयों से अवगत कराया गया। जिस पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार शहरी क्षेत्रों पर अधिक ध्यान दिए



जाने के निर्देश दिए। प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा आगामी नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों का निराकरण कराये जाने हेतु सार्थक प्रयास किये जाने के निर्देश भी दिए गये। बैठक में जिला न्यायाधीश अर्चना सिंह, विशेष न्यायालय (विद्युत) के पीठासीन अधिकारी मनोहरलाल पाटीदार सहित विद्युत विभाग के अधिकारीगण अशोक कुमार गुप्ता, विद्युत विभाग के कार्यपालन यंत्री बी.सी.अग्रवाल, ए.ई. ग्रामीण क्षेत्र जे.एम.श्रीवास्तव, ए.ई.सतर्कता आर.एस. भदौरिया, ए.ई नरेन्द्र तरवरिया, ए.ई. पूर्वक्षेत्र सहित सहायक यंत्री तथा विद्युत प्रकरणों के अधिवक्तागण वीरेन्द्र शर्मा, योगेन्द्र विजयवर्गीय,अरूण राजौरिया, आलोक अष्ठाना,नीरज गोयल उपस्थित रहे। इसके साथ ही नेशनल लोक अदालत 11 सितम्बर को जिला न्यायालय के ए.डी.आर. सेंटर में कोविड-19 के बचाव हेतु 18 से अधिक आयुवर्ग के व्यक्तियों के लिये टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जो भी व्यक्ति टीकाकरण कराना चाहता है, वह आधार कार्ड के साथ उपस्थित होकर टीकाकरण करा सकता है।

## राज्यमंत्री श्री राठखेड़ा आज पोहरी विधानसभा के इन ग्रामों का भ्रमण करेंगे

शिवपुरी। लोक निर्माण विभाग राज्यमंत्री सुरेश धाकड़ राठखेड़ा आज पोहरी विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 04 सितम्बर प्रातः 10.30 बजे ग्राम चकरामपुर में, प्रातः 11.30 बजे ग्राम कठेंगरा, दोपहर 12.30 बजे ग्राम नंदपुर ग्राम पंचायत नयागांव, दोपहर 01.30 बजे ग्राम नयागांव, दोहपर 02.30 बजे ग्राम सोन्हर, अपराह्न 03.30 बजे ग्राम धर्मपुरा पंचायत सोन्हर, अपराह्न 04.30 बजे ग्राम गनियार, शाम 05.30 बजे ग्राम ग्वालिया, शाम 06.30 बजे ग्राम नरौआ, रात्रि 07.30 बजे ग्राम दावरअली ग्राम पंचायत इंदरगढ़ में क्षेत्रवासियों से जनसंपर्क एवं स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे।

# शहर में गंदगी बर्दाश्त नहीं नवागत सीएमओ के कड़े तेवर

**सुअर पालकों में हड़कंप, सीएमओ ने भेजे सबको नोटिस**

करैरा। नगर पालिका के नवागत सीएमओ ने आते ही शहर में स्वच्छता अभियान शुरू कर दिया है, इसके तहत सर्वप्रथम उन्होंने शहर के सूअर पालकों को नोटिस भेजकर अपने कड़े इरादे जाहिर कर दिए। उन्होंने सूअर पालकों को साफ-साफ बता दिया है। कि या तो वे अपने सूअरों को निश्चित स्थान पर रखें या शहर के बाहर पहुंचा दें,अन्यथा की स्थिति में उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नवागत सीएमओ शैलेश अवस्थी ने हाल ही में सूअर पालकों को न केवल नोटिस भेजकर चेताया है। बल्कि ऑटो से शहर भर में मुनादी भी करवा दी है। गौरतलब है कि शिवपुरी में 1 वर्ष से सूअरों की तादात दिन दूनी रात चौगुनी होती जा रही है।जिसकी वजह से आए दिन स्थानीय निवासियों को परेशानी हो रही है, हालात इतने बदतर है कि



सूअर राह चलते व्यक्ति के हाथ पर झपट्टा मारकर उसका सामान गिरा लेते हैं। कई बार तो इस हरकत से कुछ महिलाओं और बच्चों को घायल भी कर दिया गया। ऐसा नहीं है कि इस मामले की जानकारी जिला प्रशासन को ना हो बल्कि समय-समय पर नगर पालिका से लेकर जिले के आला अधिकारियों को इस स्थिति की जानकारी दी गई और विधायक व मंत्री तक यह शिकायत पहुंचाई गई लेकिन कार्रवाई के नाम पर सभी ने हाथ खड़े कर दिए। शहर के बिगड़ते हालात पर आक्रोशित जनता के पक्ष में पिछले दिनों ही शिवपुरी के वकीलों ने मोर्चा खोला और सूअरों के मुद्दे को कोर्ट में ले जाने की चेतावनी दी जिसके बाद हाल ही में स्थानांतरण होकर शिवपुरी नगर पालिका में आए नवागत सीएमओ शैलेश अवस्थी ने हाल ही में सूअर पालकों को नोटिस भेजकर सूअरों को शहर से बाहर करने की कार्रवाई शुरू कर दी है जिसका शहर वासियों ने तहे दिल से स्वागत किया है और नवागत सीएमओ की तारीफ भी की है।

## डॉक्टर चेतेन्द्र सिंह कुशवाहा ब्लड बैंक ऑफिसर शिवपुरी में कार्यपद पर है आज थैलेसीमिया बच्ची शिवांगी दांगी को ए पॉजिटिव ब्लड डोनेट किया

**शिवपुरी।** इस टाइम ब्लड बैंक में ब्लड की बहुत कमी आ रही है इस टाइम ब्लड बैंक बिल्कुल भी ब्लड स्टॉक बैंक में नहीं होने के कारण काफी बच्चे जो थैलेसीमिया पीड़ित बीमारी से अपना जीवन यापन कर रहे हैं उन लोगों को पर डे किसी न किसी बच्चे को ब्लड लगाना जरूरी रहता है उसी टाइम डॉक्टर चेतेन्द्र सिंह कुशवाह जो कि उसी टाइम अपनी ड्यूटी पर थे ओर ब्लड बैंक में ब्लड न होने के कारण डॉक्टर चेतेन्द्र कुशवाहा जी ने उसी



टाइम शिवांगी दांगी को ए पॉजिटिव ब्लड डोनेट किया थैलेसीमिया बच्चों को 15 से 20 दिन के बीच में ब्लड लगता है डॉक्टर चेतेन्द्र सिंह कुशवाह जी ने आज अपना तीसरी बार ब्लड डोनेट किया है जय माई मानव सेवा समिति डॉक्टर चेतेन्द्र सिंह कुशवाहा जी का बहुत-बहुत धन्यवाद आभार व्यक्त करती है रक्तदान महादान यह देता है दूसरों को नया जीवनदान।

## कई वर्षों से नगर में जमे डॉ.प्रदीप शर्मा का करैरा से श्योपुर स्थानांतरण

करैरा। करैरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर विगत कई वर्षों से जमे डॉ.प्रदीप शर्मा का सामान्य प्रशासन विभाग म.प्र. शासन द्वारा जारी स्थानांतरण नीति वर्ष 2021-22 के परिपालन में शासन स्तर से प्रशासकीय अनुमोदन प्राप्त कर प्रशासकीय कार्य सुविधा की दृष्टि से करैरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मे पदस्थ डा प्रदीप शर्मा को करैरा से श्योपुर स्थानांतरित किया गया है । यह बता दे की कोरोना काल मे उन्होने करैरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर मरीजो को अच्छी सुविधाएं से वंचित रखा और कई लोगों ने अपनी जाने गवाई और उनका अच्छा रवैया ना होने से विभाग ने उनसे बीएमओ का प्रभार छीन लिया और शिवपुरी जिला अस्पताल मे ड्यूटी लगाई । लेकिन करैरा से उन्हे इतना लगाव था कि वह करैरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर मेडिकल आफिसर के रूप मे काम करने आए।और शासन स्तर से प्रशासकीय स्तर पर उनका श्योपुर स्थानांतरण कर दिया ।श्री शर्मा का स्थानांतरण होने पर नगर मे खुशी का माहोल देखने को मिला।

## कूनो नदी पर बनेगा डैम, 7 लाख बीघा फसल होगी सिंचित

शिवपुरी। जिले के कोलारस विधानसभा की बदरवास तहसील में कूनो नदी पर बांध बनाने के लिए डीपीआर का टेंडर खुल गया है। भोपाल की महाना वेंचर्स को डीपीआर बनाने का काम सौंप दिया है। यह कंपनी कोलारस, बदरवास, पोहरी सहित श्योपुर जिले के 400 से अधिक गांवों का सर्वे करेगी। बदरवास तहसील में कूनो नदी पर बांध बनने से कितने गांवों तक नहर से पानी पहुंच पाएगा, इसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने का रास्ता पूरी तरह से साफ हो गया है। कोलारस विधायक वीरेंद्र सिंह रघुवंशी ने बताया कि गुरुवार को जल संसाधन विभाग के ईएनसी ऑफिस भोपाल जाकर ईएनसी मदन डावर से मुलाकात कर टेंडर खुलवाए हैं। डीपीआर बनाने के लिए मेसर्स महाना वेंचर्स भोपाल को यह कार्य सौंपा जा रहा है। अगली बारिश के पहले डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनकर स्वीकृति के लिए आगामी कार्यवाही होगी। इस प्रोजेक्ट को केंद्र की सिंचाई योजना में सितंबर 2019 में जुड़वा दिया था। योजना की स्वीकृति मिलने से शिवपुरी, कोलारस, पोहरी, श्योपुर कुल चार विधानसभाओं में



सिंचाई के लिए किसानों को पानी मिलेगा। विधायक रघुवंशी का कहना है कि कूनो बांध की डीपीआर के लिए मुख्यमंत्री का काफी सहयोग मिल रहा है।

कोलारस विधायक वीरेंद्र सिंह रघुवंशी डीपीआर को लेकर ईएनसी से चर्चा करते हुए

अनुमानित लागत 6 हजार करोड़ रुपए, 7 लाख बीघा में सिंचाई की उम्मीद विधायक रघुवंशी का मानना है कि बांध के साथ-साथ सिंचाई परियोजना की लागत 6 हजार करोड़ के आसपास रहने का अनुमान है। बांध बनता है तो इससे 7 लाख बीघा जमीन में सिंचाई की सुविधा की उम्मीद लगाई जा रही है। सिंचाई परियोजना पर काम तेजी से होता है तो आने वाले समय में यह कदम कोलारस विधानसभा में हरित क्रांति लाने वाला साबित होगा।

# सरकारी अस्पताल बदहाल, बिल्डिंग की सीलिंग टूट कर गिर रही नीचे, लिफ्ट भी पड़ी हैं बंद

शिवपुरी। शिवपुरी अस्पताल में इलाज के लिए जा रहे हैं तो सावधान हो जाइए, अस्पताल आजकल मरीजों, डॉक्टरों व अन्य सटाफ के लिए खतरे की घंटी बनता जा रहा है। सरकार द्वारा करोड़ों रुपए खर्च कर जिला अस्पताल के भवन का निर्माण कराया गया था। लेकिन भवन निर्माण के समय गुणवत्ताविहीन कार्य कराए जाने का आरोप लगता रहा इस पर किसी ने गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। अब भवन बनने के बाद से जगह-जगह से फाल्स सीलिंग गिरने की समस्या आ रही है। घटिया निर्माण के चलते वार्ड में लगी फाल्स सीलिंग लगातार गिर रही है। इससे पहले भी अस्पताल की फाल्स सीलिंग गिर गई है। जिससे मरीजों की जान जाते-जाते बची थी। लेकिन इस ओर अस्पताल प्रबंधन ने कोई ध्यान नहीं दिया ऐसे में कभी भी बड़ी घटना भी घट सकती है। वहीं मरीजों को आने-जाने में कोई असुविधा न हो इसके लिए लिफ्ट का भी निर्माण कराया था लेकिन वह लिफ्ट भी खराब पड़ी हुई है। मरीजों को सीढ़ियां चढ़कर इलाज कराने के लिए जाना पड़ रहा है। इसमें सबसे ज्यादा परेशानी उन



मरीजों को आती है जो हड्डी टूटने की ,या फिर विक्लांक शिकायत लेकर इलाज कराने आते हैं। सीढ़ियां चढ़ते वक्त उन्हें काफी दर्द का सामना करना पड़ता है। मामले को लेकर अस्पताल प्रबंधन के डॉ. संजय ऋषिश्वर का कहना है कि बरसात के समय में सीलिंग गिर रही थी जिस कारण बिल्डिंग की ओर जाने वाले रास्ते को बंद कर दिया था चूंकि अब बरसात खत्म हो गई है तो सुधार कार्य कराया जाएगा। रही लिफ्ट की बात तो इसके लिए हमने ठेकेदार को सूचित कर दिया है।

# अनियंत्रित होकर कंटेनर गुमटी में घुसा एक की मौत 3 घायल

शिवपुरी। खबर जिले के सिरसौद थाना क्षेत्र के सिरसौद चौराहे की है। जहां शुक्रवार की शाम एक बाईकर्स को बचाने के फैर में एक कंटेनर अनियंत्रित होकर एक फालुदा की गाडी और उसके बाद एक गुमटी में जा घुसा। हालाकि जिस बाईकर्स को बचाने के लिए ट्रक अनियंत्रित हुआ वह इस कंटेनर की चपेट में आ गया और मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।प्राप्त जानकारी कें अनुसार निक्की गुप्ता उम्र 30 साल निवासी भौंती अपने गांव भौती से करैरा जा रहा था। तभी सिरसौद तिराहे पर सामने से एक कंटेनर तेज रफ्तार में आ रहा था। यह कंटेनर युवक की बाईक को देखकर अनियंत्रित हो गया और बाईकर्स को बचाने का प्रयास किया। परंतु बाईकर्स नहीं बच सका और ट्रक अनियंत्रित होकर फालुदा की गाडी में जा घुसा। उसके बाद भी यह ट्रक पास की ही एक गुमटी में जा घुसा। जिससे फालुदा की गाडी में सबार दिनेश गुर्जर और गुमटी में बैठे अशोक लोधी निवासी सिरसौद,आशीष गुप्ता निवासी भौती और गुमटी की संचालिका रवीना पत्नि आविद खान घायल हो गए। जिसमें आशोक लोधी और आशीष गुप्ता की गंभीर हालात को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जिला चिकित्सालय रैफर कर दिया। बताया जा रहा है इस हादसें में मृतक निक्की गुप्ता की 6 माह पहले ही शादी हुई थी। पुलिस ने उक्त कंटेनर को पकड कर जप्त कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

**वन-टू-वन**

## धार्मिक कार्यक्रम एवं त्यौहारों को देखते हुए धारा 144 में में किया संशोधन

भिण्ड । म.प्र.शासन गृह विभाग मंत्रालय बल्लभ भवन भोपाल के पत्र दिनांक 01 सितम्बर, 2021 से राज्य शासन द्वारा पूर्व में जारी दिशा निर्देशों के यथावत रखते हुये धार्मिक कार्यक्रम एवं त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुये नवीन अतिरिक्त दिशा निर्देश प्रसारित किये गये है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सतीश कुमार एस ने उक्त शासन दिशा निर्देशों के क्रम में जिले की राजस्वसीमान्तर्गत दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 में निहित शक्तियों का प्रयोग कर निम्नानुसार आदेश प्रसारित किए है।

1. प्रतिमा/ ताजिये (चेहल्लुम) के लिये पण्डाल का आकार अधिकतम 30ग45 फीट नियत किया जाता है। झांकी निर्माता ऐसी झांकियों की स्थापना एवं प्रदर्शन नहीं करेंगे जिनमें संकुचित जगह के कारण श्रद्धालुओं /दर्शकों की भीड़ की स्थिति बने तथा सोशल डिस्टेसिंग का पालन न हो सके। झांकी स्थल पर श्रद्धालुओं/दर्शकों को भीड़ एकत्रित नहीं हो तथा सोशल डिस्टेसिंग कापालन हो ऐसी व्यवस्था आयोजकों को सुनिश्चित करना अनिवार्य होगी।
2 मूर्ति / ताजिये (चेहल्लुम) का विसर्जन संबंधित आयोजन समिति द्वारा किया जायेगा। विसर्जन स्थल पर ले जाने के लिये अधिकतम 10 व्यक्तियों के समूह की अनुमति होगी इसके लिये आयोजकों को पृथक से संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी से लिखित अनुमति प्राप्त किया जाना अनिवार्य होगा।
3. संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा विसर्जन के लिये अधिक से अधिक उपयुक्त स्थानों का चयन किया जाये, ताकि विसर्जन स्थल पर कम भीड़ हो, विसर्जन की विकेन्द्रीकृत व्यवस्था हेतु अनुभाग क्षेत्रों में शांति समिति तथा संकट प्रबंधन समूहों के सदस्यों की बैठक आयोजित कर भी निर्णय लिया जा सकता है।
4. कोविड संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुये धार्मिक/सामाजिक आयोजन के लिये चल समारोह निकालने की अनुमति नहीं होगी। विसर्जन के लिये सामूहिक चल समारोह भी अनुमत्य नहीं होगा लाउड स्पीकर बजाने के संबंध में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारीकी गयी गाईड लाईन का पालन करना अनिवार्य होगा।
5. सार्वजनिक स्थल पर कोविड संक्रमण के बचाव के तारतम्य में झांकियों/ पण्डालों/ विसर्जन के आयोजनों में श्रद्धालु/ दर्शक फेसकवर, सोशल डिस्टेसिंग एवं सेनेटाईजर का प्रयोग के साथ ही राज्य शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा समय समय पर जारी किये गये दिशा निर्देशों का कडाई से पालन करना अनिवार्य होगा।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावी होकर अन्य आदेश तक लागू रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने की दशा में संबंधित के तहत भारतीयदण्ड संहिता की धारा 188 तथा अन्य अधिनियमों के अन्तर्गत दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी

## किराये के मकान को खाली न करने को लेकर हुआ झगड़ा

भिण्ड। देहात थाना क्षेत्र के सावित्री नगर बीटीआई रोड पर एक युवक किराये का मकान खाली नहीं कर रहा था तो मकान मालिक ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार दिनेश बाबू पुत्र रामेश्वर दयाल निवासी सावित्री नगर बीटीआई रोड ने बताया शुक्रवार दोपहर 12 बजे किराये का मकान खाली करने को लेकर देवेन्द्र राजावत, निशा, शैफाली ने एकराय होकर मारपीट कर दी और जाति सूचक गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर एससी, एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

# आधार कार्ड बनवाने के ऐवज में सरेराह रिश्वत मांगने वाले ऑपरेटर पर कार्यवाही

### -कलेक्टर ने लिखा नोडल अधिकारी को पत्र

भिण्ड। अनुविभागीय अधिकारी कृषि विभाग अनुविभाग भिण्ड अन्तर्गत पंजीयन का कार्य कर रहे सुपरवाईजर जाखिर खांन द्वारा आधार पंजीयन कार्य के लिए नागरिको से सरेराह रिश्वत मांगने के जुर्म में सुपरवाईजर पर कलेक्टर ने एमपीएसईडीसी भोपाल को इनेक्टिव/ब्लैकलिस्ट करने के लिए पत्र लिखा है। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने नोडल अधिकारी आधार एमपीएसईडीसी भोपाल को पत्र लिखकर कहा है कि अनुविभागीय अधिकारी अनुभाग भिण्ड अन्तर्गत आधार पंजीयन का कार्य कर रहे सुपरवाईजर जाखिर खान, मशीन नम्बर 32077 मो.9888146744, आधार नम्बर 806659680459, सुपरवाईजर सार्टिफिकेट नम्बर एनएस 122913 द्वारा आधार पंजीयन हेतु निर्धारित शुल्क अधिक राशि लिए जाने एवं नागरिको से अभद्र व्यवहार करने संबंधी न्यूज पेपर एवं बीडियों के आधार पर निर्धारित नियमो का उल्लंघन किया है। इसलिए उनके खिलाफ इलेक्टिव/ब्लैकलिस्ट करने हेतु पत्र लिखा है।

यह था मामला :

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ आधार केन्द्र अनुविभागीय कृषि अधिकारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकास खण्ड भिण्ड कार्यालय इटावा रोड़ पर वर्तमान परिवेश में वहाँ तैनात कम्प्यूटर ऑपरेटर सरेराह रिश्वत लेकर आधार कार्ड बना रहा है, और जो रिश्वत नहीं देता उसका आधार कार्ड न बनाने की



धमकी भी देता है। जब एक हितग्राही ने उसका वीडियो बनाना शुरू किया तो वह उस वीडियो में स्पष्ट बोलता नजर आ रहा है कि बना लो मेरा वीडियो कौन मेरा क्या बिगाड़ लेगा, तुम भिण्ड कलेक्टर से भी शिकायत कर आओ, नहीं हो तो हम तुम्हारे साथ कलेक्ट्रेड चलते हैं, करवा दो मुझ पर कार्रवाई हम तुमको मान जाएगें, इस प्रकार के शब्द एक रिश्वतखोर ऑपरेटर बोल रहा है, तो समझो आधार कार्ड बनवाने में कितने रूपये प्रत्येक व्यक्ति से लेता होगा यह महाशय। बेचारा गरीब बृजेन्द्र दुखी होकर आधार कार्ड से भगा दिया गया, उसका आधार कार्ड नहीं बना, जब उसने अपने साथ हुये दुर्व्यव्यवहार की कहानी दैनिक चंबल की प्रगति समाचार पत्र की टीम को बताई तो।

### इनका कहना है:

सदारीपुरा से एक हितग्राही जब अपना आधार कार्ड बनवाने के लिए इस आधार कार्ड केन्द्र पर गया तो वहाँ पदस्थ्य ऑपरेटर के द्वारा रिश्वत के तौर पर 200 रूपये माँगें गये, जब हितग्राही बृजेन्द्र ने देने से इंकार करते हुये कहा कि शासन के द्वारा जो भी राशि निर्धारित की गई हो वही लीजिए साहब, उल्टा सीधी रिश्वत क्यों माँग रहे हो तो ऑपरेटर बोला कि हमको 200 रूपये चाहिए यदि तुम्हारे पास न हो तो तुम्हारा आधार हम नहीं बना सकते।

### कांग्रेस आज निकलेगी बढ़ती रसोई गैस, पेट्रोल डीजल, मंहगाई को लेकर केंद्र सरकार की शव यात्रा

**भिण्ड।** देश और प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण रसोई गैस सिलेंडर, पेट्रोल, डीजल के दामों मे अनाप शनाप बढोतरी और मंहगाई के विरोध मे जिला कांग्रेस के अध्यक्ष मानसिंह कुशवाह के नेत्रत्व में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर नगर कांग्रेस कमेटी भिण्ड के द्वारा गैस सिलेंडर और केंद्र सरकार की शव यात्रा निकाली जायेगी। नगर कांग्रेस अध्यक्ष संजय भूता ने बताया शव यात्रा 4 सितंबर को प्रातः11 बजे धन्वन्तरी कॉम्प्लेक्स से एकत्रित होकर परेड चौराहे, सदर बाजार होते हुए गोल मार्केट पर गांधी प्रतिमा स्थल पर समाप्त होगी। वँहा वरिष्ठ नेता सभी को मार्गदर्शन देंगे। उक्त यात्रा मे सभी मोर्चा संघठन, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, कांग्रेस सेवादल, एनएसयूआई, एवं सभी विभागों, प्रकोष्ठो के अध्यक्ष एवं पधादिकारी शामिल रहेंगे।

## आगामी नेशनल लोक अदालत 11 सितम्बर की तैयारियों हेतु समीक्षा बैठक सम्पन्न

भिण्ड । राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार 11 सितम्बर, 2021 को आयोजित होने वाली आगामी नेशनल लोक अदालत की सफलता के संदर्भ में प्रधान न्यायाधीश जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड के निर्देशन में समन्वयक/विशेष न्यायाधीश देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा द्वारा लोक अदालत की प्रगति समीक्षा बैठक वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से ली गयी। जिसमें न्यायिक तहसील मेंहगांव, गोहद एवं लहार के समस्त न्यायिक अधिकारी वीडियों कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे। उक्त बैठक में जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुनील दण्डौतिया, पंचम अपर जिला न्यायाधीश भिण्ड समरेश सिंह, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी भिण्ड हेमन्त सविता मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिकाधिक मामलों के निराकरण के उद्देश्य से प्रकरणों में सूचना पत्रों के निर्वाह के संबंध में समन्वयक/विशेष न्यायाधीश देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा द्वारा उपरोक्त नेशनल लोक अदालत हेतु पुलिस अधीक्षक भिण्ड की ओर से नियुक्त नोडल अधिकारी नगर पुलिस अधीक्षक भिण्ड आनंद राय, उपपुलिस अधीक्षक भिण्ड अरविंद शाह एवं एसडीओपी अटेर सुरेन्द्र सिंह तोमर के साथ बैठक ली गयी। जिसमें उक्त नेशनल लोक अदालत के लिए पक्षकारों को न्यायालय द्वारा जारी सूचना पत्रों के शीघ्र तामील किये जाने के संबंध में निर्देश दिये गये।

इसी तारतम्य में अपर जिला न्यायाधीश/ सचिव सुनील दण्डौतिया, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड के द्वारा विद्युत विभाग के अधिकारियों/ कर्मचारियों की एक बैठक ली गई। जिसमें लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारीगणों से विस्तृत रूप से चर्चा कर उनको लोक अदालत में अधिक से अधिक विद्युत प्रकरणों के निराकरण हेतु निर्देशित किया गया।

## पूर्व मंत्री चौधरी राकेश सिंह ने ट्रांसफर नीति पर साधा निशाना

भिण्ड। कभी ट्रांसफर उद्योग नाम से तबादलों का विरोध करने वाली मध्य प्रदेश सरकार से जिले के विभिन्न विभागों में हो रहे ट्रांसफरों पर पूर्व मंत्री चौधरी राकेश सिंह ने प्रेस वार्ता करते हुए जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार की ट्रांसफर नीति द्वेषपूर्ण है। इसमें सचिव, पटवारी एवं शिक्षकों के ट्रांसफर हुए हैं वो सभी नियम का विपरीत हुए है। उन्होंने कहा है कि भिंड शासकीय कर्मचारियों के ट्रांसफर राजनीति से प्रेरित होकर कराए गये हैं। भिंड जिले में जातिगत रूप से ट्रांसफर कराने का जिले में बैठे प्रशासनिक अधिकारियों,जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए पूर्व मंत्री ने कहा है कि ऐसे ट्रांसफर से कर्मचारियों के परिवार को आघात पहुंचा है।

चौधरी राकेश कहा वह प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मांग करते हैं कि इस लिस्ट को निरस्त कराए। साथ ही उन्होंने जिले की ट्रांसफर पोलिसी पर वह स्वयं भोपाल पहुंच कर संबंधित अधिकारियों एवं जिम्मेदारों को ज्ञापन देकर अवगत कराने की बात कही है।

## आयें, गणेश प्रतिमा बनायें निःशुल्क घर ले जायें

### एप्को में मिट्टी से गणेश प्रतिमा निर्माण प्रशिक्षण 4 सितम्बर से

**भिण्ड ।** ग्रीन गणेश अभियान के तहत एप्को द्वारा जन-सामान्य के लिए 4 से 8 सितम्बर 2021 तक प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक पर्यावरण परिसर ई- 5 अरेरा कालोनी भोपाल में गणेश प्रतिमा निर्माण का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर में प्रतिभागियों को मिट्टी उपलब्ध करवाई जाएगी और वे अपने हाथों से गणेश प्रतिमा का निर्माण कर सकेंगे। प्रतिभागी प्रशिक्षकों की सहायता से निर्मित प्रतिमाओं को अपने साथ निःशुल्क घर ले जा सकेंगे। शिविर में गणेश प्रतिमा को प्राकृतिक रंगों से सजावट की तकनीक भी सिखाई जाएगी। प्रतिभागी अगामी गणेश चतुर्थी पर पूजन के बाद प्रतिमा का विसर्जन घर पर ही कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि देश-प्रदेश में गणेश उत्सव हर साल धूम-धाम से मनाया जाता है। पिछले कई सालों से मिट्टी की मूर्तियों के स्थान पर पीओपी की बनी मूर्तियों की स्थापना का प्रचलन हो गया है। पीओपी मूर्तियों के विसर्जन से नदी, तालाबों आदि का जल विशाक्त होता है। इससे पर्यावरणीय समस्याओं के साथ जलीय जीव-जन्तुओं के जीवन पर भी संकट उत्पन हो जाता है।

# 30 एमपी बटालियन का हुआ प्रशासनिक जायजा

### बार्षिक प्रशासनिक निरीक्षण में ग्रुप कंमाडर ब्रिगेडियर वीएम शर्मा ने देखी व्यवस्थाएं

**भिण्ड।** शुक्रवार को 30 एमपी बटालियन एनसीसी का प्रशासनिक निरीक्षण ब्रिगेडियर वीएम शर्मा के द्वारा किया गया। जिसमें बटालियन की सम्पूर्ण बर्ष की गतिविधियों की जानकारी कंमाडिंग अफसर कर्नल राजीव शर्मा के द्वारा दी गई, सर्वप्रथम ग्रुप कंमाडर को जनरल शेल्यूट अंडर अफसर सैफ अलीखांन के द्वारा दिया गया। तत्पष्चात कमान अधिकारी ने समस्त स्टाफ का परिचय करवाया, साथ ही इसी क्रम में ग्रुप कंमाडर के द्वारा बर्ष भर हुई गतिविधियों में जिन कैडेट्स एवं एनसीसी अधिकारियों को सम्मानित किया गया, जिसमें निकिता राजावत को ग्रुप हैडक्वार्टर बेस्ट कैडेट के रूप में नगद राशि 20000 रूपयें, अंकिता राजावत को बटालियन बेस्ट कैडेट के रूप में नगद राशि 3000 रूपयें, प्रवेश शर्मा को नगद राशि 9000 रूपयें, रवि तोमर एवं पूजा भदौरिया को क्रमशः 3000-3000 रूपयें



देकर पुरस्कृत किया गया। इसी क्रम बटालियन से एनसीसी ऑफिसर ले. कौशलेन्द्र भदौरिया को सम्मानित किया गया। विशेष रूप से कैडेट अनुज सिंह कुशवाह जो हाल ही में एनसीसी के माध्यम से सी प्रमाण पत्र प्राप्त कर भारतीय थल सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर चयनित होने पर बधाई दी।

ग्रुप कंमाडर ब्रिगेडियर वीएम शर्मा ने सम्बोधित करते हुए समस्त पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी साथ ही भविष्य देशहित में कार्य करने की नसीहत भी दी, साथ ही 30 एमपी बटालियन की अच्छी व्यवस्थाओं को देख भूरी भूरी प्रशंसा की। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रशासनिक अधिकारी कर्नल सुमित पंत, सूबेदार मेजर ब्रजेश सिंह, ले. संजय राणा, सेकेण्ड ऑफिसर उपेन्द्र भदौरिया, सूबेदार राजेन्द्र चौधरी, सूबेदार प्रशांत मण्डल, बीएचएम राजकुमार सिंह, हवलदार जवाहर सिंह, हवलदार हजूर खांन, हवलदार वीर बहादुर सिंह, हवलदार परशुराम, हवलदार मुण्डा, नायक प्रदीप आदि सहित समस्त स्टाफ एवं कैडेट्स उपस्थित रहें।

### -ग्राम सोंधा में संचालित हो रही डेयरी पर बड़ी मात्रा में जब्त किया मावा, घी व रिफाइंड

# डेयरी पर मिलावटी दूध, घी की शिकायत मिलने पर पुलिस व खाद्य विभाग की टीम ने दिया कार्रवाई को अंजाम

**भिण्ड।** शासन के निर्देशानुसार और जिलाधिकारी के आदेश के पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी रीना बंसल, थाना प्रभारी सुरेश शर्मा ने कस्बा ग्राम सोंधा में डेयरी पर छापामार कार्यवाही की गयी। जिसमें डेयरी पर खुलेआम मावा, घी सहित डालडा आदि में मिलावट की जा रही थी, जिसकी शिकायत मिलते ही तुरंत कार्रवाई को अंजाम दिया।

खाद्य अधिकारी रीना बंसल ने बताया कि गुरुवार को शिकायत मिली थी कि ग्राम सौंधा में अवैध तरीके से मिलावट कर घी, डालडा व दूध में मिलावट की जा रही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी जिला भिण्ड रीना बसल द्वारा एक टाईप सुदा आवेदन प्रस्तुत किया गया। जो प्रथम दृष्टया धारा 420,272,273 भादवि का पाया जाने से प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया जिसका नकल आवेदन हस्वजैल है। प्रति थाना प्रभारी महोदय थाना गोरमी जिला भिण्ड विषय प्राथमिकी दर्ज करने वावत। गुरवार को मिलावटी मावा बनने की सूचना मिलने पर मे अपनी टीम एव थाना गोरमी के पुलिस बल के साथ ग्राम सौधा स्थित जैन डेयरी पर निरीक्षण हेतु पहुंची थी मौके पर डेयरी मे बायलर लगाकर भट्टीयों पर मावा का निर्माण करने की व्यवस्था की गई थी।

मौके पर डेयरी परिसर में एक कमरे में निर्मित किया हुआ लगभग 150 कि0ग्रा0 मावाए 180 कि0या0 क्रीम व एक अन्य कमरे में 185 किग्रा घी तथा निर्माण स्थल पर तीन टीन रिफाईण्ड सोयाबीन तेल के खुले हुये मात्रा लगभग



किग्रा संग्रहित पाई गई। मौके पर डेयरी के संचालक बृजेश जैन पुत्र नेमीचन्द जैन उम्र 53 वर्ष लगभग निवासी ग्राम सौधा थाना गोरमी उप0 था। जिसने बताया कि वह मावा का निर्माण कर ग्वालियर विक्रय करता है। मौके पर उसके द्वारा डेयरी का खाद्य रजिस्ट्रेशन प्रस्तुत किया गया। मौके पर डेयरी परिसर मे रिफाईड ऑयल रखे जाने के संबंध में कोई संतोषजनक उत्तर डेयरी संचालक द्वारा नहीं दिया गया मेरे द्वारा मौके पर घी, मावा, क्रीम एव रिफाईण्ड सोयाबीन ऑयल के नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अन्तर्गत जांच हेतु डेयरी संचालक बृजेश जैन से लिये गये। एवं डेयरी में रखे घीए मावाए क्रीम व रिफईण्ड ऑयल को नियमानुसार जप्त किया गया जप्त कियाा गया, जिसकी कीमत एक लाख तैतालीस हजार सात सौ पचास रुपये बतायी जा रही है। मावा में मिलावट करने के उद्देश्य से रखा था। डेयरी संचालक अपायकर पदार्थों का उपयोग कर मिलावटी मावा तैयार कर आमजनो को विक्रय कर उनके स्वास्थ से खिलवाड़ करने के साथ साथ उनसे धोखाधड़ी कर रहा है। एव अपने इस कारोबार से अनैतिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर रहा है। अतः संबंधित डेयरी संचालक के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

## अभियोक्त्री को भगाकर ले जाकर बलात्संग करने वाले अभियुक्त को आजीवन कारावास

भिण्ड। अभियोक्त्री को भगाकर ले जाकर बलात्संग करने वाले आरोपी को गोहद न्यायाधीश ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी/ सहा0 मीडिया सेल प्रभारी प्रवीण सिंह सिकरवार द्वारा बताया गया कि अभियोजन का मामला इस प्रकार है कि 28 दिसम्बर 2017 को दिन के लगभग दस बजे अभियोक्त्री ने बताया कि भाई का फोन आया है और वह उसे ग्वाालियर बुला रहे है। घरवालों ने उसकी बात मानकर छोटे भाई के साथ बस स्टैण्ड मालनपुर पर बैठाने के लिये भेज दिया। बस स्टैटण्ड पर पहुचंने पर अभियुक्त विक्रम जाट वहां पर खडा हुआ था और वह अभियोक्त्री से बात करने लगा तथा अभियक्त विक्रम अभियोक्त्री को शादी का झांसा देकर बहला फुसलकार अपने साथ भगाकर ले गया। फरियादी ने घर आकर पता किया तो उसके छोटे भाई ने सारी बात बताई तथा उसके मामा की लडकी ने कहा कि अभियोक्त्री अभियुक्त से बात करती थी और अभियुक्ता ही अभियोक्त्री को भगाकर ले गया है। फरियादी की उक्त रिपोर्ट पर से अप0क्रं0 222/17 अंतर्गत धारा 363, 366 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया। अपर सत्र न्यायाधीश गोहद जिला भिण्ड द्वारा बीते शुक्रवार को आरोपी विक्रम जाट को दोषसिद्ध मानकर धारा 376 (2)(एन) भादवि के आरोप में आजीवन कारावास एवं दो हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया।

## अवसाद की पीड़ा

सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या को लेकर बहस जारी ही थी कि अब अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला दुनिया को अलविदा कह गए। सिद्धार्थ का का हार्ट अटैक से निधन हो गया। मुंबई के कूपर हॉस्पिटल ने अभिनेता के निधन की पुष्टि की है और मौत की वजह हार्टअटैक बताई है। फिर भी भविष्य में उठने वाले विवाद को देखते हुए अभिनेता के शव का पोस्टमार्टम किया गया है। सिद्धार्थ की मौत की खबर के बाद से टीवी इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। करीबी सदमे में हैं। सिद्धार्थ की मौत को पहली नजर में भले ही आत्महत्या माना जाए, मगर मौत का कारण कुछ और ही है। दरअसल, अवसाद एक ऐसी बीमारी पनप गई है, जिसका सामना कर पाना आज हर किसी के वश में नहीं रह गया है। सुशांत से लेकर सिद्धार्थ तक एक साल में जितने भी कलाकार असमय साथ छोड़कर गए, सभी की वजह अवसाद ही सामने आई है। टेलीविजन की दुनिया में सिद्धार्थ शुक्ला काफी बड़ा नाम था। 12 दिसंबर 1980 को मुंबई में जन्मे सिद्धार्थ ने बतौर मॉडल अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2004 में वह टीवी इंडस्ट्री से जुड़े। एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने के बाद उन्होंने साल 2008 में बाबुल का आंगन छूटे ना में काम किया। इसके बाद उन्हें असली पहचान शो बालिका वधू सीरियल से मिली। टीवी सीरियल बालिका वुध से सिद्धार्थ को दर्शकों ने बहुत पसंद किया था। सही मायनों में इस शो की वजह से ही वह काफी पॉपुलर हुए थे। इसके बाद उनकी किस्मत ने तब पल्टी मारी थी जब वह सलमान खान के शो बिग बॉस में एंटर हुए। सिद्धार्थ को इतना पसंद किया गया कि अपनी पॉपलैरिटी के दम पर वह बिग बॉस के विनर बन गए। शो से जब विजेता बनकर शुक्ला जब बाहर निकले तो उन्होंने एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट्स में काम किया। सुशांत सिंह राजपूत से लेकर सिद्धार्थ की मौत ने फिल्म उद्योग की ग्लैमर की दुनिया का स्याह पहलू दुनिया के सामने खोला है। सोशल मीडिया पर सितारे कई पहलकदमियों का हिस्सा हैं पर भीड़ से घिरे तमाम सितारे दरअसल अकेलेपन का शिकार लगते हैं। इस समय फिल्म इंडस्ट्री के भीतर और बाहर भाई-भतीजावाद, गुटबाजी जैसे कई विषयों पर बहस छिड़ी है। इन सबके बीच जो सबसे बड़ा मुद्दा सामने आया है वह है डिप्रेशन का। अब सवाल है कि रुपहले पर्दे की चमकती-दमकती दुनिया में यह कैसा अवसाद है जो गहराई तक पैठ जमा चुका है और नाम, शोहरत, रुतबे की चकाचौंध में आसपास रहने वाले और करीबियों को भी नजर नहीं आता। मनोचिकित्सक कहते हैं कि मानसिक बीमारियां अन्य बीमारियों की तरह ही होती हैं। कोई बच जाता है और कोई नहीं बच पाता। मुंबई में फिल्म इंडस्ट्री बिल्कुल भी व्यवस्थित नहीं है, इसमें हर तरह के लोग काम करते हैं। किसी के लिए सफलता का संघर्ष बहुत ज्यादा है किसी के लिए कम। बॉलीवुड में एक समस्या टैंलेट मैंनेजमेंट को लेकर है। बड़े प्रॉडक्शन हाउस की अपनी टैंलेंट कंपनियां है जो कई बार नए लोगों को मौके देती हैं। मौके देने के साथ-साथ कंपनियां मानने लगती हैं कि ये नए लोग उनका टैलेंट है और आगे भी उनके साथ ही काम करेंगे। धीरे-धीरे यह चीजें उस कलाकार को कंट्रोल करने लगती हैं। कलाकार की क्रिएटिव फ्रीडम खत्म हो जाती है और वे घुटन महसूस करने लगते हैं। इंडस्ट्री में एक समस्या लाइफस्टाइल है। हर व्यक्ति स्वयं को बेहद बड़ा दिखाने और बताने की कोशिश में लगा रहता है। चाहे आपका काम चले या ना चले बांद्रा जैसे पॉश इलाके में घर, बड़ी गाड़ी रखना अब जरूरी हो गया है और फिर जब आप बड़े खर्चे नहीं उठा पाते तो डिप्रेशन आपको घेरने लगता है। वहीं कुछ लोग लगातार काम करते हैं, परिवारों से दूर रहते हैं और अकेलेपन में घिर जाते हैं।

# .ते पदक -घटते स्टेडियम और दावा खिलाड़ियों के होने का ?

**निर्मल रानी**

भारतीय खिलाड़ियों ने कुछ दिन पूर्व टोकियो में संपन्न हुये ओलम्पिक खेलों से लेकर पैरालिम्पिक खेलों तक में अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के द्वारा अपनी शानदार प्रतिभा का लोहा तो ज़रूर मनवा दिया है परन्तु कई आलोचकों का यह भी मानना है कि भारत जैसे विश्व की दूसरी सबसे बड़ी आबादी के लिहाज़ से देश में जीत कर आने वाले पदकों की संख्या फिर भी कम है। परन्तु यदि पदक विजेता खिलाड़ियों की पारिवारिक व आर्थिक पृष्ठभूमि पर नज़र डालें तो पायेंगे कि इनमें अधिकांश खिलाड़ी मध्यम,निम्न मध्यम अथवा ग़रीब परिवार के सदस्य हैं। कुछ पदक विजेता खिलाड़ी तो ऐसे भी हैं जिनके मां बाप ने मज़दूरी कर अपने बच्चों को इस योग्य बनाया कि उन्होंने पदक जीत कर देश का नाम रौशन किया। इन खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिये अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों को प्राप्त होने वाली वह सुविधायें तथा उस तरह का आहार भी नहीं मिल पाता जिसके वे हक़दार भी हैं और उनके लिये ज़रूरी भी है। ऐसे ही मध्यमवर्गीय व ग़रीब परिवार से आने वाली प्रतिभाओं की बेबसी को उजागर करने वाली एक ख़बर पिछले दिनों तब सामने आयी जब धनबाद की रहने वाली एक प्रतिभाशाली निशनेबाज़ कोनिका लायक ने समाज सेवी फ़िल्म अभिनेता सोनू सूद से लगभग तीन लाख रूपये क़ीमत की एक जर्मन निर्मित राइफ़ल खरीदने हेतु ट्वीटर के माध्यम से मदद मांगी। कोनिका लायक ने सोनू सूद को टैग करते हुए अपने ट्वीट में लिखा, ÷11वीं झारखंड स्टेट राइफ़ल शूटिंग चैंपियनशिप में मैंने एक रजत और एक स्वर्ण पदक जीता। हालांकि, सरकार ने मेरी बिल्कुल भी मदद नहीं की है। कृपया एक राइफ़ल के साथ मेरी मदद करें। सोनू सूद ने फ़ौरन उसकी सहायता की और उसे वह रायफ़ल मिल सकी। कोनिका ने इससे पहले खेलमंत्री मंत्री से लेकर स्थानीय सांसद तक से अपनी रायफ़ल की ज़रुरत की गुहार लगायी थी। परन्तु हम आम तौर पर अपने देश में तो यही देखते आ रहे हैं कि पदक जीतने के बाद ही सरकारें अपनी इनायतों की बौछार करती हैं। जबकि इससे ज़्यादा ज़रूरी है कि खिलाड़ियों को वह सभी सुविधाएं मुहैय्या कराई जायें जो उनकी खेल प्रतिभा को निखारने व पदक जीतने में सहायक हों।

इन सब वास्तविकताओं के बावजूद खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने ओलम्पिक में खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन का श्रेय प्रधानमंत्री को देने के आशय का एक लेख देश के तमाम अख़बारों में संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित कराया। इस आलेख में उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा नीरज चोपड़ा को चूरमा तथा पीवी सिंधु को आइसक्रीम पेश करना, बजरंग पुनिया के साथ हंसते रहना, रवि दहिया को और हंसने के लिए कहना तथा मीराबाई चानू के अनुभव सुनना तथा टोक्यो में भाग लेनेवाले प्रत्येक एथलीट के साथ समय बिताना,व पैरा ओलिंपिक दल के साथ बातचीत तथा उनकी प्रेरक जीवन यात्रा पर चर्चा तथा गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में खेल महाकुंभ पहल की शुरूआत करने जैसी कई बातों का उल्लेख किया। और यहां तक लिखा कि वे भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें खिलाड़ियों का प्रधानमंत्री कहा जा सकता है।सरकार के और भी कई पक्षकारों ने ओलम्पिक में खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन का श्रेय प्रधानमंत्री व उनकी सरकार की खेल नीतियों को देने की कोशिश की। अभी देश ओलम्पिक तथा पैरालिम्पिक खेलों में भारत के अच्छे प्रदर्शन का जश्न मना ही रहा था कि इसी बीच भारत सरकार की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने घोषणा कर दी कि रेलवे के 400 रेलवे स्टेशनों, 90 यात्री ट्रेनों के साथ साथ 15 रेलवे स्टेडियम व कई रेलवे कालोनियों



तथा कोंकण व कई अन्य पहाड़ी क्षेत्रों की ट्रेनों व रेल लाइनों के पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप ( पी पी पी ) के तहत निजी क्षेत्रों को देने का फ़ैसला किया गया है। सरकार इस व्यवस्था को मॉनेटाईज़ेशन का नाम भी दे रही है। परन्तु दरअसल सरकार द्वारा पी पी पी और मॉनेटाईज़ेशन जैसे शब्दों का प्रयोग निजीकरण शब्द के स्थान पर ही किया जा रहा है। बहरहाल खिलाड़ियों के प्रधानमंत्री की दौर-ए-हुकूमत में रेलवे की जो अरबों रूपये की संपत्ति पी पी पी के निशाने पर है उनमें खेल स्टेडियम के रूप में स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स डीएलडब्लू वाराणसी,मुंबई के परेल में स्थित इंडोर स्टेडियम और क्रिकेट ग्राउंड,पटना स्थित इंडोर स्टेडियम स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, चेन्नई स्थित बेहाला स्टेडियम, रेलवे स्टेडियम स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स,कोलकाता, रायबरेली स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, गुवाहाटी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स,मालिगांव, कपूरथला स्टेडियम, बंगलुरू का येलाहंका क्रिकेट स्टेडियम स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, सिकंदाराबाद, महालक्ष्मी स्टेडियम,मुंबई ,हॉकी स्टेडियम,राँची,लखनऊ क्रिकेट स्टेडियम ,गोरखपुर स्टेडियम तथा करनैल सिंह स्टेडियम, दिल्ली शामिल हैं। इनमें अनेक स्टेडियम ऐसे भी हैं जहां से प्रशिक्षित होकर हमारे देश की खेल प्रतिभाओं ने देश का नाम रौशन किया है। इन्हीं में रेलवे का सबसे बड़ा व प्रसिद्ध दिल्ली के कनॉट प्लेस का वह करनैल सिंह स्टेडियम भी है जहाँ से अभ्यास कर पी टी उषा ने %उड़न परी% का ख़िताब हासिल किया था। इतना ही नहीं बल्कि ओलम्पिक में बजरंग पूनिया,मीरा चानू ,सुशिल,रवि कुमार,साक्षी, सहित और भी कई सुप्रसिद्ध पदक विजेता खिलाड़ी दिल्ली के इसी करनैल सिंह स्टेडियम की देन हैं। यह स्टेडियम दिल्ली के केंद्र कनॉट प्लेस में लगभग 6 एकड़ ज़मीन पर बना है जहाँ प्रशिक्षु खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, आवास,अभ्यास आदि की सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इसी स्टेडियम से प्रशिक्षित होकर रेलवे ने अब तक ओलंपिक के 6 स्वर्ण पदक जीते हैं। परन्तु शायद खिलाड़ियों के प्रधानमंत्री को लगता है कि ज़मीन के मूल्य के अनुसार इस ज़मीन से फ़ायदा नहीं उठाया जा रहा है और अनुमानतः दो हज़ार करोड़ से ज़्यादा क़ीमत की इस ज़मीन का सही उपयोग नहीं हो पा रहा है। यहाँ क्रिकेट में रणजी ट्राफ़ी के अलावा मुक्केबाज़ी ,कुश्ती और कई अन्य खेलों के अभ्यास व प्रशिक्षण होते रहे हैं। इसके अतिरिक्त यहाँ खेलों के राष्ट्रीय शिविर भी लगते रहे है। ज़ाहिर है पी पी पी (निजीकरण ) के बाद यह सभी गतिविधियां शायद संभव न हो सकें। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि स्पोर्ट्स हब के रूप में अपनी पहचान रखने वाले इस स्टेडियम को समाप्त करने से भारतीय खेल प्रभावित होगा। परन्तु सरकार के क़दम से तो यही लगता है कि उसे खिलाड़ियों की सुविधाओं व उनके पदक से ज़्यादा फ़िक्र सरकारी संपत्ति से धनार्जन करने की है। ऐसे में सवाल यह है कि जब एक ओर देश में आने वाले पदकों की संख्या तो बढ़ रही हो और ठीक उसी समय स्टेडियम्स की संख्या में सरकार द्वारा कमी की जा रही हो इसके बावजूद %खिलाड़ियों के प्रधानमंत्री% होने का दावा करना क्या विरोधाभास पैदा नहीं करता ?

## (चिंतन-मनन) एकता में भाषा भी अवरोध

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है. अपनी भाषा के प्रति आकषर्ण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं. पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकषर्ण होता है, उतना ही आकषर्ण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वाचर्यों ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है- जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है। उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है। भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकषर्ण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती। आर्थिक-सामाजिक वैषम्य तथा जातीय और सांप्रदायिक वैमनस्य राष्ट्रीय एकता की स्थाई समस्याएं हैं। इनका समाधान हुए बिना राष्ट्रीय एकता का आधार मजबूत नहीं हो सकता।

## नौकर और सेवक मैं अंतर समझे प्रधान सेवक

**डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन**

आजकल हमारे प्रधान सेवक लेट लतीफी पर बहुत नाराज़ हैं जबकि यह हमारे देश का चरित्र हैं और हम चरित्र बहुत ध्यान देते हैं .कहते हैं की पैसा गया तो कुछ नहीं गया ,स्वास्थ्य गया तो कुछ गया और चरित्र गया तो सब कुछ गया .पर आजकल इससे उलट हैं चरित्र का कोई स्थान नहीं रहा ,स्वास्थ्य के लिए मनुष्य सुबह या शाम व्यायाम करता रहता हैं और पैसा के पीछे कुछ भी करने को तैयार हैं .कारण पैसा से सब कुछ मिलता हैं .भौतिक युग में पैसा भगवान का रूप हैं जिसके माध्यम से सब कुछ मिल जाता हैं ,प्राप्त हो जाता हैं और आज सुगमता से मिलता हैं . चरित्र का स्थान किससे पूछे जैसे स्वयं राजनेता कितना चरित्र का पालन करते हैं .उनको सुविधा शुल्क की आदत पद गयी हैं और अन्य--आय उनको प्राथमिकता हो गयी हैं .नौकर मात्र ना नहीं कर सकता हैं ,नौकरी के समय उसे एक आवेदन की जरूरत होती हैं और नौकरी से हटाने के लिए रामायण या महाभारत जैसा पुराण बनाना पड़ता हैं ,कारण प्राकृतिक न्याय के लिए उसे सुसंगत अवसर दिया जाना जरुरी हैं .नौकर नौकरी के लिए वेतन लेता हैं और काम करने के लिए पैसा .धन समय लेता हैं .यह परम्परा हमें विरासत में मिली हैं .अब तो हमारे रक्त में मिल चुका हैं .नौकर के नव हाथ होते हैं उसका ध्यान वेतन पर रहता हैं ,वतन की ओर ध्यान नहीं जाता .कारण नौकर को जब तक पूरी स्वतंत्रता न मिले उसे घुटन होती हैं .हनुमान रामचंद्र जी का सेवक रहे न की नौकर .जो बिना वेतन के रहते हैं निःस्वार्थ सेवा करते हैं उन्हें सेवक कहते हैं .हमारे राष्ट्रपति प्रधान मंत्री स्वयं कहते हैं की मैं आपका प्रथम नौकर हूँ कारण वे हमारे टेक्सों से वेतन पाते हैं इसलिए नौकर हैं .उनमे और सरकारी नौकर में कोई विशेष अंतर नहीं हैं .मूलतः नौकर यानी नौकर ,नौकर किसी परीक्षा से नौकरी पाता हैं और ये



श्रेष्ठ वर्ग जनता की परीक्षा से पास होकर पहुंचते हैं ,उनके भी समय निर्धारित हैं .उनके कन्धों में देश का भार होता हैं और उनके कन्धों का निर्माण का भार होता हैं . हमारे देश मैंअफसर बाबू और फाइल का बहुत घनिष्ठ सम्बन्ध होता हैं .अब तो नागरिक नंबर से पहचाना जाने लगा .यानी सबकी कुंडली बनने लगी .उसके द्वारा उसकी जीवनी मिल जाती हैं .आज कोई भी योजना परियोजना मैं परिवर्तित हो जाते हैं .वर्तमान मैं कोई योजना की लागत 100 करोड़ हैं उसके निर्माण कार्य शुरू होते होते और बनते बनते 1000 करोड़ हो जाती हैं .उसका कारण लालफीता शाही के साथ योज्मा अधिकारी द्वारा आपत्ति उठाने पर उसको हटाना .फिर फाइल अपने हिसाब से चलती हैं .सरकारी अफसर बाबू मंत्री इन सब बातों से अप्रभावित होता हैं कारण उसे कोई लाभ नहीं होता .प्रभावित होते हैं बनाने वाले और भुगतान पाने वाले .बजट देने वाले आदि आदि . कुछ विभाग तो ऐसे हैं जिन पर ब्रह्मा विष्णु महेश यानी गॉड बैठ जाय तो कुछ नहीं कर सकते जैसे न्यायलय . सी बी आई ,सी आई डी गुप्तचरी ,बाँध आदि आदि पर जैसे सेंट्रल विस्टा ,पटेल साहब की मूर्ति जिसमे प्रधान सवाल की रूचि हैं वह निर्धारित समय से पूर्व तैयार होगी कारण कारण पद की अस्थिरता का डर बना रहता हैं .वैसे इस समस्या का निदान प्रत्येक नौकर को सेवा भावना लानी होगी उसकी शुरुआत गंगोत्री से होगी न की बंगाल की खाड़ी से शुरुआत होगी .कारण छोटे नौकर के लिए नियम /कानून हैं पर बनाने वाले यदि तोड़ते हैं तो वह उनका अधिकार माना जाता हैं .ऐसा नहीं है की यह बात आज नै हैं बल्कि ये बहुत पहले से बने हैं जैसे आपात काल मैं कोई नए नियम नहीं थे बस उनका क्रियान्वयन किया गया था .आज भी कड़ाई से कार्यवाही होना चाहिए .दूसरा रिस्पांसिबिलिटी उत्तरदायित्व / और एकाउंटेबिलिटी जिम्मेदारी /जबावदेही यानी दोनों पर्यायवाची हैं पर बाबू जब तक फाइल नहीं बढ़ाएगा तब तक अफसर असहाय होगा .यह कृत्य आप हर बड़े या छोटे सरकारी ऑफिस में देख सकते हैं ख़ास तौर पर कोर्ट कचहरी में .वैसे यह काम कठिन नहीं हैं पर इसमें किसको किसको छाँटेगे?फिर काम करने वाले नहीं रहेंगे तो फिर सरकारी कर्मचारियों को निजी कोम्पनी मैं भेज देंगे।

## (अफगान की हालात पर ) प्रतिस्पर्धा, प्रतिष्ठा और प्रदर्शन के लिए कितनी अमानवीय हिंसाएं

### सूडोकु नवताल- 5822

✱✲✲✲✲ सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 9 | | | 5 | | | | 4 |
| 4 | | | 2 | | 7 | | 8 | |
| | 1 | 6 | | 8 | | | | 3 |
| 8 | | 5 | | 9 | | | | 7 |
| 3 | 6 | | | 2 | | | 1 | 9 |
| 1 | | | | 3 | | 5 | | 2 |
| 5 | | | | 7 | | 6 | 3 | |
| | 3 | | 1 | | 8 | | | 5 |
| 9 | | | | 6 | | | 2 | 1 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल -5821 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 8 | 1 | 6 | 9 | 4 | 2 | 5 | 3 |
| 2 | 6 | 4 | 5 | 3 | 6 | 1 | 7 | 9 |
| 5 | 3 | 9 | 1 | 2 | 7 | 4 | 6 | 8 |
| 9 | 5 | 8 | 7 | 4 | 1 | 3 | 2 | 6 |
| 1 | 2 | 3 | 9 | 5 | 6 | 7 | 8 | 4 |
| 4 | 7 | 6 | 3 | 8 | 2 | 9 | 1 | 5 |
| 3 | 9 | 7 | 2 | 6 | 5 | 8 | 4 | 1 |
| 6 | 4 | 2 | 8 | 1 | 9 | 5 | 3 | 7 |
| 8 | 1 | 5 | 4 | 7 | 3 | 6 | 9 | 2 |

**डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन**

शुरू से ही मानव ने विकास किया और उसके पास मति /बुद्धि/विवेचना /ज्ञान का होने से अजीर्ण होना शुरू हुआ और वह विवेक हीन होना शुरू हुआ .मानव का विकास में मानवीय गुणों का होना अनिवार्य हैं अन्यथा वह जानवर से भी बुरा हैं .साक्षर जब बिगड़ता हैं तब वह राक्षस बन जाता हैं .मानवीयता का आभाव राक्षसी प्रवत्ति का घोतक हैं .

मानव में पाप और कषाय यानी हिंसा ,झूठ ,चोरी कुशील परिग्रह (पंच पाप ) क्रोध मान माया लोभ (चारकषायें ) इनके ऊपर पूरा व्यापार या जीवन चल रहा हैं .जबकि जिसने जन्म लिया हैं उसे निश्चित ही मरना हैं .कब कहाँ कैसे यह नहीं मालूम .इसके अलावा कोई भी अपने साथ कुछ भी नहीं ले जा सकता ,न गया और न ले जायेगा .संसार में सब वस्तुए अनित्य हैं ,कोई भी शाश्वत नहीं हैं और संसार दुखों का घर हैं और हर व्यक्ति राग या द्वेष के वशीभूत दुखी हैं .उसे सुखाभास होता हैं पर वास्तविक सुख हैं ही नहीं या बहुत क्षणिक होता हैं .

इस काल में कई लोगों के पुण्य या पाप के उदय से बहुत लाभ हुआ और बहुत अधिक धन कमाया .यह पुण्य पर्व था और आगे भी आएगा .पर अनैतिक धन कमाने वालों को इस पर ध्यान नहीं गया की इस क्षण जहाँ जन मानस को सहयोग की अपेक्षा थी उसी दौर में शोषण कर अंतहीन धन सामग्री कमाई .पर इसका प्रतिफल क्या होगा .हर जीव के पीछे कर्मोंकी रिकॉर्डिंग लगातार चलती रहती हैं उसमे कोई डिलीट नहीं होता और न वहां दलील ,वकील और अपील होती हैं .इतिहास पुर्नावृति करता हैं .आज आपने शोषण किया कल आपका भी शोषण होगा .समय कभी एक सा नहीं होता .इस दौरान इस धरा पर सब धरा रह गया .

इस समय एक देश में सत्ता हथियाने के लिए कितना घिनोना खेल खेला जा रहा हैं .लगभग 20 वर्षों में दो लाख चालीस लाख जाने गई और विगत 10 वर्षों में 11 हज़ार महिलाएं और बच्चे मारे गए यह कल्पना से परे की बात हैं .मरने वालों में कौन कौन किस किस का नाते रिश्तेदार रहा होगा .सरकार मात्र आंकड़े बताती हैं जिसका घर का सदस्य मरता हैं उसका खालीपन कौन भर सकता हैं .मात्र एक बासी कुर्सी के लिए .जिसके कारण सब प्रकार के पाप किये जा रहे हैं और कष्यों के कारण कितनी आत्मा पतित हो रही होगी और अभी भी कत्लेआम .बलात्कार लूट खसोट की जा रही हैं .हिंसा के तांडव से सब भयभीत हैं और आशंका में डूबे हैं .अपना घर वतन छोड़कर भाग रहे हैं .जिन्दा रहेंगे तो कमा लेंगे और मर गए तो क्या होगा .

जिनको सत्ता की भूख हैं वे प्रतिष्ठा के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं .प्रदर्शन यानी उनके पास कितनी शक्ति हैं जिसके बल पर सत्ता पर काबिज़ होने और प्रतिस्पर्धा अपने निजियों से ही हैं और वे ही जान के दुश्मन बनेगे .सत्ता का हस्तांतरण इतना घिनौना अमान्य हैं .जिसकी नीव हिंसा और कषाय पर पडी हैं वहां कितनी शांति सुरक्षा और सुख होगा .हम कैसे अपने आपको सभ्य या विकसित माने .बड़ी मछली छोटी मछली को निगलना चाहती हैं या निगलती हैं .यह समझना जरुरी हैं की इतने सब कुछ करने के बाद में स्थीयी रूप से क्या हासिल होगा .

वर्तमान में विश्व तीन लॉबी पर चल रहा हैं --पेट्रोल (तेल) ,दवा (फारमा)और आर्म्स (हथियार )ये सब युध्य के मुख्य कारक बने हैं और मातस्य न्याय का पालन हो रहा हैं और हर कोई अवसर की तलाश में हैं और कोई सुरक्षित नहीं हैं .ये सब पद बहुत जहरीले और खून से रंगे हाथ वाले होते हैं और जब कोई भी बलवान हुआ उसने निर्बल को अपने पाश में लिया .

आज भी इतनी विभीषिका के बाद भी यदि धरम यानी अहिंसा ,सत्य अचौर्य ,ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे व्रतों का पालन नहीं किया तो इस के ग्रास सबको बनना होगा .कोई पहले या बाद में .जब तक एक दूसरे के भावों या विचारों का आदर करना नहीं सीखेंगे तब तक सुख शांति मिलना असंभव ही होगा .युध्य का युद्ध से करना मूर्खता हैं .युध्य का मार्ग वार्ता से निकलता हैं .

कौन कितने वर्ष तक जियेगा अधिकतम 100 वर्ष वह भी नियति द्वारा निर्धारित हैं .सब अपने अपने पुण्य और पाप के ठाठ में हैं और सब पराधीन हैं .कोई भी स्वतंत्र नहीं हैं .और सभी एक दूसरे के पूरक और उपकारी हैं,

कोरी प्रतिस्पर्धा ,प्रतिष्ठा और प्रद्रशन से कोई लाभ नहीं हैं . शांति से जियो और जीने दो मानवता से मानवता घटने से अमानवीयता आएगी . साक्षर बिगड़ेगा तो वह राक्षस ही बनेगा आज उनको देखो वे शैतान दिखते हैं पर पीड़क बने हैं निहथ्थों को मारकर क्या मिलेगा।

## मैंने जितना दिया, उससे कहीं ज्यादा मुझे मिलाः प्रणव मुखर्जी

**हेमेन्द्र क्षीरसागर**

देश और राजनीति को मैंने जितना दिया, उससे कहीं ज्यादा मुझे मिला अपनी जीत की घोषणा होने के कुछ देर बाद ही देश के महामहिम राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के यह वाक्य साफ दर्शाते हैं कि, देश की राजनीति में प्रणब मुखर्जी ने कितना सहयोग दिया है और उन्हें इससे कितना वापस मिला है। भारतीय राजनीति में प्रणब मुखर्जी एक जानी-मानी हस्ती थी। प्रणब मुखर्जी का व्यक्तित्व कुशल प्रशासक, सहज, सरल और साफगोई वाला था। कई मंत्रालयों का कार्यभार संभाल चुके प्रणब दा ने राजनीति में पांच दशक से अधिक समय बिताया।

उन्होंने महामहिम की आसंदी को शुचिता और निर्विवाद तरीके से राष्ट्रहित में सांगोपांग कालजयी निर्वहन किया। प्रणव दा संजीदा व्यक्तित्व और कृतित्व वाले जन नेता थे। पार्टी के वरिष्ठतम नेता होने के कारण वह राजनीति की भी अच्छी समझ रखते थे। बंगाली परिवार से होने के कारण उन्हें रबिंद्र संगीत और साहित्य में अत्याधिक रुचि थी। एक शालीन लेखक होने के नाते कई अनमोल कृतियों की सारगर्भित रचना की। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमने प्रणव दा के युग और नेतृत्व में जीवन जीया। यथेष्ठ जननायक के बताए मार्गों पर चलकर समग्र विकास और जनकल्याण के कार्यों को अपना मूल ध्येय बनना होगा, येही सच्ची श्रद्धांजलि राष्ट्रपुरुष को समर्पित होगी।

प्रणव मुखर्जी ने अपने शुरुआती जीवन में वकालत और अध्यापन कार्य समेत पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य करते हुए भी काफी समय व्यतीत किया है। प्रणव मुखर्जी के पिता कामदा मुखर्जी एक लोकप्रिय और सक्रिय कांग्रेसी नेता थे। वह वर्ष 1952 से 1964 तक बंगाल विधानसभा के सदस्य रहे थे। पिता का राजनीति से संबंध होने के कारण प्रणव मुखर्जी का राजनीति में आगमन सहज और स्वाभाविक था। प्रणव मुखर्जी के राजनैतिक जीवन की शुरुआत वर्ष 1969 में राज्यसभा सदस्य के रूप में हुई। वर्ष 1973 में प्रणव मुखर्जी ने कैबिनेट मंत्री रहते हुए औद्योगिक विकास मंत्रालय में उप-मंत्री का पदभार संभाला। इन्दिरा गांधी की हत्या के पश्चात, राजीव गांधी सरकार की कैबिनेट में प्रणव मुखर्जी को शामिल नहीं किया गया। इस बीच प्रणव मुखर्जी ने अपनी अलग राष्ट्रीय समाजवादी कांग्रेस का गठन किया। लेकिन जल्द ही वर्ष 1989 में राजीव गांधी से विवाद का निपटारा होने के बाद प्रणव मुखर्जी ने अपनी पार्टी को राष्ट्रीय कांग्रेस में मिला दिया।

# प्रतीक गांधी बहुत ही चौकस अभिनेता हैं : खुशाली कुमार

अभिनेत्री खुशाली कुमार ने अपनी अगली फिल्म डेढ़ बीघा जमीन की शूटिंग सह-अभिनेता प्रतीक गांधी के साथ झांसी में शुरू कर दी है। अभिनेत्री ने हाल ही में आर. माधवन के साथ अपनी पहली अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग पूरी की और पुलकित द्वारा निर्देशित डेढ़ भीगा जमीन के सेट पर पहुंच गई हैं। डेढ़ बीघा जमीन उत्तर प्रदेश के छोटे से शहर पर आधारित एक पारिवारिक ड्रामा है। कथानक एक आम आदमी के सम्मानजनक संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमता है कि वह क्या जीतता है। खुशाली ने प्रतीक के साथ अपनी भूमिका की तैयारी के अपने अनुभव को साझा किया, जिन्होंने अपनी फिल्म स्कैम 1992 के लिए आलोचनात्मक प्रशंसा प्राप्त की।

उन्होंने बताया, एक अभिनेता के रूप में प्रतीक बहुत चौकस हैं। उनके साथ तैयारी करना फिर से मजेदार और रचनात्मक रूप से संतोषजनक था। हम एक-दूसरे के तरीके को समझते थे और मुझे लगता है कि यह केमिस्ट्री के ऑफ-स्क्रीन होने पर सबसे अच्छा काम करता है, क्योंकि यह सिनेमा पर उसी तरह अच्छा दिखता है। मैं प्रतीक से भी उतना ही सीखने की उम्मीद करती हूं। टी-सीरीज और कर्मा मीडिया और एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की फिल्म डेढ़ बीघा जमीन का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, शैलेश आर. सिंह और हंसल मेहता ने किया है। फिल्म की सामग्री के बारे में बात करते हुए, खुशाली ने कहा, फिल्म एक दिल की कहानी है। मैं कहानी कहने के एक अनदेखे और गैर-सर्वोत्कृष्ट पक्ष की खोज करने के लिए भाग्यशाली हूं जो सामग्री-उन्मुख और सामाजिक रूप से प्रासंगिक है। टी-सीरीज के चेयरमैन भूषण कुमार की बहन खुशाली ने 2015 में एक म्यूजिक वीडियो मैनू इश्क दा से बॉलीवुड में डेब्यू किया। तब से उन्हें कई म्यूजिक वीडियो और एक शॉर्ट फिल्म जीना मुश्किल है यार में देखा गया है।

## गश्मीर महाजनी ने छोड़ा अपना शो 'इमली'

टीवी टीआरपी चार्ट में धूम मचाने वाला पॉपुलर डेली सोप 'इमली' सीरियल में एक बड़ा बदलाव हो गया है. जी हां, शो में आदित्य कुमार त्रिपाठी का किरदार निभा रहे एक्टर गश्मीर महाजनी ने इस शो को अब अलविदा कह दिया है. फैंस को इस खबर ने हिला कर रख दिया है. आपको बता दें, इस शो में कई तरह की साजिश रची जा रही है. इमली और आदित्य के प्यार पर जहां मालिनी की पहले से नजर थी, जहां अब इसमें सत्यकाम की भी विलेन वाली एंट्री हो गई है. ऐसे में आदित्य कुमार त्रिपाठी जैसे शो के अहम किरदार का शो छोड़ कर जाना दर्शकों के बिलकुल भी पल्ले नहीं पढ़ रहा है. आपको बता दें, बीते रोज गश्मीर महाजनी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ इंस्टा स्टोरी को पोस्ट किया है. जिसमें उन्होंने बताया है कि वो अब इस शो को छोड़ रहे हैं. आपको बता दें, इन वीडियो में एक्टर अपने शूटिंग के सेट पर ही नजर आ रहे हैं. जहां वो कहते हैं कि आज मेरा इस सेट पर आखिरी दिन है, पिछले 9 महीने से हम यहां लगातार काम कर रहे हैं. इसके साथ ही वो सेट पर मौजूद अपने निर्देशक, और क्रिएटिव डिजाइनर से भी फैंस की मुलाकात भी करवाते हैं. इन सब के बीच एक्टर कहीं भी इस बात का जिक्र नहीं करते हैं कि उन्होंने इस शो को क्यों छोड़ने का फैसला लिया है. क्योंकि इस वक्त इस शो में उनका ट्रैक भी बढ़िया तरह से चल रहा है. जहां एक्टर ने आज सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर के बताया है कि वो आज इंस्टाग्राम पर लाइव आएंगे. जहां वो अपने सभी फैंस के साथ बेहद खास बातचीत करने वाले हैं. आपको बता दें, दर्शक गश्मीर महाजनी को इस शो में खूब पसंद कर रहे थे. इमली के साथ उनकी जोड़ी ने टीआरपी चार्ट पर भी दमदार पायदान बनाया हुआ था. लेकिन अब फैंस बस यही नहीं समझ पा रहे हैं कि गश्मीर महाजनी को ये शो क्यों छोड़ना पड़ रहा है. आपको बता दें, इससे पहले भी कई सितारे इसी तरह की बात करने के बाद शो में हमें वापस दिखाई दिए हैं. अब एक्टर सच मैं ये शो छोड़ रहे हैं या ये कोई ट्विस्ट है इसे देखना बेहद मजेदार होगा।

# आर बाल्की की फिल्म में अमिताभ के साथ नजर आ सकती हैं कैटरीना

कैटरीना कैफ ने अपने एक्टिंग करियर में कई छोटी, बड़ी फिल्मों में काम किया है, लेकिन गिनी-चुनी फिल्मों में ही उन्होंने दर्शकों को अपनी मौजूदगी का अहसास कराया। अब लगता है कैटरीना भी कंगना रनौत और दीपिका पादुकोण की तरह ऐसी फिल्मों में काम करना चाहती हैं, जिनमें उनकी भूमिका दमदार हो। खबर है कि उन्होंने निर्देशक आर बाल्की की एक फिल्म साइन कर ली है, जिसमें अमिताभ बच्चन उनके साथ नजर आएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक कैटरीना जाने-माने निर्देशक आर बाल्की की एक महिला केंद्रित फिल्म से जुड़ गई हैं। यह पूरी फिल्म एक महिला के इर्द-गिर्द घूमेगी। इसमें अमिताभ बच्चन मेहमान भूमिका में होंगे। कैटरीना पहली बार बाल्की के साथ काम करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। दूसरी तरफ बाल्की के साथ अमिताभ कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। जब आर बाल्की ने बिग बी से इस फिल्म का हिस्सा बनने को कहा तो वो मना नहीं कर पाए।

बाल्की की इस फिल्म के जरिए अमिताभ और कैटरीना पहली बार साथ काम नहीं कर रहे हैं। दोनों ने सबसे पहले फिल्म बूम में साथ काम किया था। इसी फिल्म से कैटरीना ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। फिर दोनों ने 2004 में आई फिल्म सरकार में साथ काम किया। आखिरी बार अमिताभ और कैटरीना 2018 में फिल्म ठग्स ऑफ हिन्दुस्तान के लिए साथ आए थे। अब दोनों चौथी बार एक-दूसरे के साथ पारी खेलने वाले हैं।

चीनी कम, पा, पैडमैन और मिशन मंगल जैसी बेहतरीन फिल्में बना चुके बाल्की अपनी अन्य साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म को लेकर भी सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में सनी देओल और दलकीर सलमान मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, वहीं अमिताभ बच्चन, हर बार की तरह बाल्की की इस फिल्म का भी हिस्सा हैं। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इसका काम पूरा करने के बाद बाल्की, कैटरीना के साथ अपनी नई फिल्म शुरू करेंगे।

कैटरीना, अक्षय कुमार के साथ फिल्म सूर्यवंशी में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन रोहित शेट्टी ने किया है। वह सलमान खान के साथ फिल्म टाइगर 3 में काम कर रही हैं। उन्हें हॉरर कॉमेडी फिल्म फोन भूत में देखा जाएगा। इसमें उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी और ईशान खट्टर नजर आएंगे। कैटरीना निर्देशक अली अब्बास जफर की एक फिल्म में सुपरवुमन का किरदार निभाएंगी। कैटरीना साउथ के सुपरस्टार विजय सेतुपति के साथ फिल्म मैरी क्रिसमस में रोमांस करती नजर आएंगी।

# विक्रम वेधा की हिन्दी रीमेक में ऋतिक रोशन के भाई की भूमिका निभाएंगे रोहित सराफ

ऋतिक रोशन इस साल कई फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने वाले हैं। हाल में वह फिल्म विक्रम वेधा की हिन्दी रीमेक को लेकर सुर्खियों में छाए हुए थे। फिल्म में उनके साथ अभिनेता सैफ अली खान भी दिखेंगे। हाल में फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया गया था। यह फिल्म अगले साल 30 सितंबर को रिलीज होने वाली है। अब जानकारी सामने आ रही है कि इस फिल्म में रोहित सराफ ऋतिक के भाई की भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, विक्रम वेधा की हिन्दी रीमेक में अभिनेता रोहित ऋतिक के भाई की भूमिका में नजर आने वाले हैं। एक सूत्र ने कहा, रोहित फिल्म में ऋतिक के भाई का किरदार निभाएंगे। इस संबंध में कागजी कार्रवाई हो चुकी है और अभिनेता ने फिल्म में अपने हिस्से के लिए



तैयारी शुरू कर दी है। सूत्र ने आगे बताया कि इस फिल्म की शूटिंग सितंबर के अंत में शुरू हो सकती है। रोहित ने पिछले साल नेटफ्लिक्स की फिल्म लूडो में अपने अभिनय का जलवा दिखाया था। इसके अलावा उन्होंने सीरीज मिसमैच में भी काम किया है। उन्होंने प्रियंका चोपड़ा की फिल्म द स्काई इज पिंक में भी अभिनय किया है।

इस समय फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम जोर-शोर से चल रहा है। बताया जा रहा है कि सभी इनडोर और आउटडोर शूटिंग स्पॉट को फाइनल कर दिया गया है। ऋतिक और सैफ दोनों का फिल्म के लिए लुक टेस्ट हो चुका है। ऋतिक ने भी इस फिल्म के किरदार में खुद को ढालने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। वह एक खूंखार गैंगस्टर की भूमिका निभाने के लिए फिजिकल ट्रेनिंग ले रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग दिसंबर, 2021 तक पूरी होने की उम्मीद है। मेकर्स फिल्म को गांधी जयंती के अवसर पर 2022 में रिलीज करने का मन बना रहे हैं। फिल्म को नीरज पांडे ने रिलायंस एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है।

## लौंग लाची जैसा दूसरा गाना नहीं हो सकता:मन्नत नूर

गायिका मन्नत नूर, जो अपने लोकप्रिय गीत लौंग लाची के लिए जानी जाती हैं, मेरा माही नामक एक नए साउंडट्रैक के साथ वापस आ गई हैं। मेरा माही में मन्नत के साथ हंस राज हंस के बेटे युवराज हंस हैं। गायिका ने सोनू के टीटू की स्वीटी, इंदु की जवानी और कई अन्य पंजाबी फिल्मों के गानों के लिए अपनी आवाज दी है। अपने नए गाने के बारे में बात करते हुए मन्नत ने बताया कि मेरा माही एक ऐसा गाना है जिससे हर लड़की जुड़ी होगी। संगीत, वीडियो और बोल अद्भुत हैं। गाने की थीम एक लड़की के बारे में है जो अपने माता-पिता के साथ उस लड़के के बारे में बातचीत कर रही है, जिस तरह के लड़के के साथ वह अपना जीवन बिताना चाहती है। मैंने ट्रैक पर काम करते हुए बहुत अच्छा समय बिताया। जबकि मैंने बहुत सारे गाने गाए हैं, यह विशेष था क्योंकि मुझे इसमें मेरे सह-कलाकार युवराज हंस के साथ भी काम करने का मौका मिला। जैसा कि उन्हें संगीत के शौकीनों से गाने के लिए पहचान मिल रही है, मन्नत ने साझा किया कि गीत की सफलता ने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया है। जब भी आपके काम को प्यार किया जाता है, तो यह आपको पूरी तरह से एक अलग ऊंचाई देता है। लौंग लाची एक असाधारण गीत है और मेरा मानना है कि ऐसा दूसरा गीत नहीं हो सकता है। इसे संगीत प्रेमियों से जिस तरह का प्यार मिला है, वह गर्मजोशी से भरा है।

# पीठ के निचले हिस्से में दर्द होने पर इन बातों का रखें खास ध्यान

पीठ के निचले हिस्से में दर्द होना एक आम बात है, लेकिन यह दर्द काफी असहनीय होता है और इसके कारण उठने-बैठने में भी दिक्कत होने लगती है। यह दर्द खराब जीवनशैली, मांसपेशियों में खिंचाव और कुछ जरूरी पोषक तत्वों की कमी के कारण हो सकता है। हालांकि, अगर आप कुछ सामान्य बातों का अच्छे से ध्यान रखते हैं तो पीठ के निचले हिस्से के दर्द से छुटकारा पा सकते हैं या फिर इससे बचे रह सकते हैं।

### हर समय न लेटें

अगर कोई व्यक्ति पीठ के निचले हिस्से के दर्द से ग्रस्त होता है तो वह इस चक्कर में बिस्तर पर लेटे-लेटे ही अपना काफी समय निकाल देता है और कोई भी काम नहीं करता है। हालांकि, ऐसा करने से पीठ के निचले हिस्से का दर्द कम होने की बजाय बढ़ सकता है। इसलिए जब भी आपकी पीठ के निचले हिस्से में दर्द हो तो आप थोड़ी बहुत गतिविधियां जरूर करें।

### शारीरिक पॉश्चर को ठीक रखें

खड़े होते, बैठते और सोते समय शारीरिक पॉश्चर सही हो तो इससे पीठ के निचले हिस्से का दर्द दूर हो सकता है। दरअसल, गलत शारीरिक पॉश्चर से भी पीठ के निचले हिस्से का दर्द बढ़ सकता है। इसलिए हमेशा सीधे खड़े हों और किसी भी जगह पर बैठते समय अपनी पीठ को सीधा रखें। इसी के साथ एक ही पोजिशन में लंबे समय तक बैठने से भी बचें। वहीं, टेढ़ा-मेढा सोने की बजाय आराम मुद्रा में सोएं।

### वार्मअप जरूर करें

अगर आप पीठ के निचले हिस्से में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए कोई भी एक्सरसाइज करने वाले हैं तो इससे पहले वार्मअप करना न भूलें। दरअसल, अगर आप सीधा ही एक्सरसाइज करना शुरू कर देते हैं तो पीठ के निचले हिस्से का दर्द बढ़ सकता है। इसलिए वर्कआउट सेशन की शुरूआत हमेशा कुछ स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज और वार्मअप से करें। ऐसा करने से पीठ के निचले हिस्से में होने वाला दर्द जल्द दूर होगा।

### सही गद्दे पर सोएं

अगर आपके बिस्तर के गद्दे काफी ज्यादा कठोर हैं तो इससे आपकी पीठ के निचले हिस्से पर अधिक दबाव पड़ता है, जिससे दर्द बढ़ सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप अपने बिस्तर के लिए ऐसे गद्दों का चयन करें जिन पर सोने पर आपकी पीठ को आराम मिले। इसका मतलब गद्दा ऐसा होना चाहिए जो न ज्यादा कठोर हो और न ही ज्यादा नरम हो। इसके लिए कॉटन मैट्रेस को प्रभावी माना जाता है।

## ग्लोइंग स्किन के लिए कर सकते हैं गोजी बेरी का सेवन

त्वचा की सूजन को कम करता है – इसमें उच्च मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं. गोजी बेरीज त्वचा की सूजन कम करने में मदद करता है. इसके अलावा, गोजी बेरी में मौजूद फैटी एसिड त्वचा के लिए लाभकारी होता है. ये त्वचा पर निखार लाने में मदद करता है. महीन रेखाओं और झुर्रियों को कम करता है – गोजी बेरी में अमीनो एसिड और अन्य आवश्यक मिनरल होते हैं. ये त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल्स से त्वचा को बचाते हैं. गोजी बेरीज त्वचा कोशिकाओं में कोलेजन और इलास्टिन उत्पादन को बढ़ावा देकर त्वचा को हेल्दी रखते हैं.

**निशान को कम करता है** – गोजी बेरीज त्वचा के भीतर मेलेनिन में सुधार करते हैं जो मुंहासे के पीछे छोड़े गए निशान को कम करने में मदद करता है. गोजी बेरी का सेवन नई त्वचा कोशिकाओं के विकास को बढ़ावा देकर त्वचा को मुलायम और ग्लोइंग बनाता है.

**यूवी किरणों से त्वचा को बचाता है** – लंबे समय तक धूप में रहने से टैनिंग और त्वचा की अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है. गोजी बेरी का सेवन क्षतिग्रस्त त्वचा को ठीक कर सकता है क्योंकि इसमें बीटा कैरोटीन अधिक मात्रा में होता है.

त्वचा के हाइड्रेशन को बढ़ाता है – गोजी बेरीज में अमीनो एसिड होते हैं जो त्वचा को हाइड्रेटेड रखने में मदद करते हैं. ये आपकी त्वचा को नमीयुक्त रखता है।

ये सुपरफूड एंटी-एजिंग लाभों को बढ़ावा देता है. ये त्वचा को टोन करने और रंगत में सुधार करता है.

## वन-टू-वन

### श्योपुर पुरानी कलेक्ट्रेड बनी स्मैकचियों का अड्डा

**विनोद पाठक ब्यूरो , पुष्पांजली टुडे**

श्योपुर पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया की पहल से स्मेक चरस जेसे नशे के बढ़ते हुए मामले को गंभीरता से लेते हुए आज श्योपुर थाना प्रभारी नगरनिरीक्षक राजेश शर्मा ने स्टाफ सहित पहुंचकर पुरानी कलेक्ट्रेड की जगह पर आकर निरिक्षण किया और हमे आश्वासन दिया और कहा की शहर मे बढ़ रहे स्मेक के नशे के कारोबार को जल्द ही अंजाम तक पहुंचाया जायेगा। जल्दी ही नशे के कारोबारी पुलिस की गिरफ्त मे होगे! शहर का ह्रदय स्थल पर बना पुराना कलेक्ट्रेड अब खंडर बन कर नशेलचीयो का अडडा बन गया है आये दिन नई नई वारदाते होती रहती है आये दिन मोहल्ले वासियों को परेशानीयों का सामना करना पडता है और जो पुरानी कलेक्ट्रेड की बिल्डिंग खाली पड़ी है तो उसके लिए अन्जना मारवाडी ने नगर निरीक्षक राजेश शर्मा को सुझाव दिया कि यदि इस भवन मे पुलिस स्टाफ तेनात कर दिये जाये या यहाँ पर इनको रख दिया जाये तो घटनाओ पर अंकुश लगेगा ओर स्मेकचीयो की पकड भी होगी अन्जना मारवाडी के सुझाव को मानते हुए नगरनिरीक्षक राजेश शर्मा ने तुरंत इस सुझाव को माना और प्रशासन को इस सुझाव से अवगत कराने की बात कही!

### परीक्षाएं स्थगित करवाने हेतु एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन....

**पुष्पाजंली टुडे**

मैसूरु. एनएसयूआई के तत्वावधान परीक्षा? स्थगित करवाने हेतु विश्वविद्यालय कुलपति के कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन कर नारेबाजी की गई द्य विश्वविद्यालय में अध्ययनरत स्नातक छात्रों के परीक्षा हेतु समय सारिणी प्रकाशित की गई थी द्य मगर समयाभाव के कारण छात्र परीक्षा देने के लिए तैयार नहीं है द्य छात्रों ने विश्वविधालय के कुलसचिव शिवप्पा से मुलाकात कर परीक्षा को आगे खिसकाने तथा दूसरे सेमेस्टर और चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं अलग- अलग दिन करने की मांग की द्य कुलपति ने छात्रों के तर्के पर मंथन करते मांग स्वीकार करते हुए परीक्षा कार्यक्रम ग्यारह दिनों के लिए आगे खिसकाया गया द्य इस दौरान एनएसयूआई के राष्ट्रीय राज्य सचिव नागेश करियप्पा, राज्य महासचिव रफीक अली, महासचिव रोहित सिंह,सचिव प्रशांत, बलराज,सागर,मनोज, पुष्पेंद्र सिंह,दिवित कत्रीकोली, सुमंतराव,संघमा देवरु,योगी अण्णया आदि मौजूद रहे । ये जानकारी पृथ्वीसिंह चांदावत द्वारा दी गई।

### रूपावास आजना पटेल समाज के तत्वाधान में वृक्षारोपण करने का लिया संकल्प

**पुष्पांजली टुडे**

पाली।निकटवर्ती पाली ब्लाक के ग्राम पंचायत रूपावास आजना पटेल समाज भवन में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता हरि भाई पटेल के सानिध्य में आजना पटेल समाज की महिलाओं द्वारा अपने भाई की अटूट प्रेम पर प्रेम का धागा बांधकर वृक्षारोपण करने का लिया संकल्प। आजना पटेल समाज के वरिष्ठ समाजसेवी हरि भाई पटेल ने बताया कि आंजना पटेल समाज के तत्वाधान में वृक्षारोपण करने का संकल्प के साथ प्रत्येक महिलाओं ने एक-एक वृक्ष को गोद लेने का संकल्प लिया गया। रूपावास में आजना पटेल समाज के युवा समाजसेवी हरि भाई पटेल के सानिध्य में कार्यक्रम के तहत पटेल समाज की महिलाओं द्वारा अपने भाई को रक्षा बंधन के प्रेम के धागे बांधकर एक एक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया गया।

# '11 सितम्बर से भगवान महाकालेश्वर की भस्म आरती में आम श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया जायेगा'

### (7 सितम्बर की सुबह 10 बजे से ऑनलाइन बुकिंग प्रारम्भ होगी, श्री महाकालेश्वर मन्दिर प्रबंध समिति की बैठक में लिये गये निर्णय)

**पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ, दैनिक पुष्पांजली टुडे**
9826576206

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मन्दिर प्रबंध समिति की बैठक कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में बृहस्पति भवन में आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि भगवानश्रीमहाकालेश्वर की भस्म आरती में आम श्रद्धालुओं को 11 सितम्बर से प्रवेश दिया जायेगा। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए कुल क्षमता के 50 प्रतिशत दर्शनार्थियों को कार्तिकेय एवं गणेश मण्डपम में प्रवेश दिया जायेगा। गर्भगृह एवं नन्दी हॉल में किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जायेगा। 7 सितम्बर की सुबह 10 बजे से भस्म आरती हेतु ऑनलाइन बुकिंग प्रारम्भ होगी। ऑफलाइन 150 व्यक्तियों के लिये प्रवेश-पत्र एक दिन पूर्व काउंटर से % पहले आओ-पहले पाओ% के सिद्धान्त पर जारी किये जायेंगे। ऑनलाइन भस्म आरती के लिये 200 रुपये भेंट राशि जमा करवाना होगी। बैठक में प्रोटोकॉल व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिये प्रोटोकॉल से दर्शन करने आने वाले प्रत्येक व्यक्ति से 100 रुपये की भेंट राशि लेने के निर्णय का अनुमोदन किया गया। शीघ्र ही उक्त व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिये गये हैं।

बैठक में पुलिस अधीक्षक सत्येन्द्र कुमार शुक्ल, प्रबंध समिति के सदस्य आशीष पुजारी, दीपक मित्तल, विजयशंकर शर्मा, नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, यूडीए सीईओ एसएस रावत, प्रदीप पुजारी मौजूद थे।

बैठक में एडीएम एवं प्रशासक श्री महाकालेश्वर मन्दिर प्रबंध समिति नरेन्द्र सूर्यवंशी ने वर्ष 2021-22 के लिये मन्दिर का अनुमानित बजट प्रस्तुत किया। बैठक में अनुमानित आय 7978 लाख रुपये एवं व्यय 7947 लाख के बजट का अनुमोदन किया गया। बैठक में निम्नानुसार प्रमुख बिन्दुओं पर निर्णय लिये गये -



- महाकालेश्वर मन्दिर में श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन हेतु चारों ओर से आने वाले मार्गों का चौड़ीकरण किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत भूअर्जन किया जाना प्रस्तावित है। भूअर्जन के लिये कुल दो करोड़ 14 लाख 15 हजार 33 रुपये की राशि प्रारम्भिक रूप से मन्दिर प्रबंध समिति से भुगतान करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
- मन्दिर प्रबंध समिति द्वारा संचालित विक्रम कीर्ति मन्दिर को विक्रम विश्वविद्यालय को हस्तांतरित करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
- मन्दिर में दान में प्राप्त होने वाले स्वर्ण आभूषणों को बैंक में रखने के लिये आवश्यक कार्यवाही करने का निर्णय लिया गया।
- सुरक्षा के लिये ई-निविदा, भगवान महाकालेश्वर के सामान्य एवं 360 डिग्री लाईव दर्शन के अधिकार दिये जाने हेतु स्मार्ट सिटी के माध्यम से ई-निविदा जारी करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
- उमा सांझी महोत्सव गत वर्ष अनुसार ही कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार प्रतीकात्मक रूप से मनाने का निर्णय लिया गया।
- लड्डू प्रसाद इकाई के विस्तार एवं आवश्यक मशीनें लगाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
- लड्डू प्रसाद की निर्माण लागत का आंकलन करते हुए %नो प्रॉफिट नो लॉस% के सिद्धान्त के आधार पर मूल्य निर्धारित कर आगामी बैठक में प्रस्ताव रखने के निर्देश दिये गये।
- वैदिक प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान में संचालक पद की नियुक्ति के लिये सिद्धान्त रूप में सहमति प्रदान की गई। नियुक्ति के लिये नियम व अन्य औपचारिक प्रस्ताव आगामी बैठक में रखने के निर्देश दिये गये।
- माननीय सर्वोच्च न्यायालय में प्रचलित प्रकरण में सीबीआरआई रूड़की द्वारा प्रस्तुत स्ट्रक्चरल असेसमेंट रिपोर्ट के सम्बन्ध में व्यय की जाने वाली कुल राशि 4.37 करोड़ का सैद्धान्तिक अनुमोदन किया गया।

(ऑफ लाइन प्रवेश पत्र निशुल्क रहेंगे)
भस्म आरती हेतु 150 ऑफ लाइन प्रवेश पत्र निशुल्क रहेंगे। एक दिन पूर्व पहले आओ पहले पाओ के आधार पर काउंटर से जारी किए जाएंगे।

# राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्वयंसेवक अभियान मंडल द्वारा बीजेपी बैठक संपन्न हुई

**राकेश परिहार रिपोर्टर, पुष्पांजली टुडे**
9691338626

पिछोर। मंडल पिछोर मैं राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्वयंसेवक अभियान के तहत मंडल परीक्षण बैठक संपन्न जिसमें कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए इस बैठक में बीजेपी जिला अध्यक्ष श्री राजू बाथम जी मुख्य रूप से उपस्थित रहे बैठक में तीसरी लहर को लेकर विशेष चर्चा की गई जिसमें बीजेपी कार्यकर्ताओं को ग्रामीण अंचलों में जाकर लोगों के लिए तीसरी लहर से बचाव के लिए जागरूक करने के लिए विशेष चर्चा हुई और बीजेपी कार्यकर्ताओं को समझाया गया की ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यकर्ता जाकर ग्रामीण लोगों के लिए कॉरोना जैसी महामारी से बचाव के लिए क्या क्या कदम उठाना अनिवार्य है इस संदर्भ में लोगों के लिए जागरूक करे और श्री बाथम जी ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को समझाते हुए कहा कि हम सभी का दायित्व है की लोगों के लिए तीसरी लहर से बचाव के लिए कैसे जागरूक करना है और स्वयं के लिए सतर्क रहना है जिससे तीसरी लहर को आने से रोके हम सतर्क रहेंगे तो तीसरी लहर हमारे बीच नहीं बनते ही इस अवसर पर पिछोर से बीजेपी



वरिष्ठ नेता श्री पीतम सिंह लोधी जी ने भी बीजेपी कार्यकर्ताओं को कहा कि हम सभी 1 मील होकर ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों के लिए जागरूक करें जिससे कोरोना पर अंकुश लगाया जा सके अहम बैठक में उपस्थित रहे श्री जिला अध्यक्ष राजू बाथम जी बीजेपी वरिष्ठ नेता पिछोर से श्री प्रीतम सिंह लोधी जी मंडल अध्यक्ष श्री राहुल रहोरा श्री हेमंत ओझा श्रीमती पूनम सोनी एवं पदाधिकारी गण मुख्य रूप से बैठक में उपस्थित रहे एवं बीजेपी कार्यालय मंत्री श्री पंकज वर्मा जी ने सभी आए हुए गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया और पुष्पमाला पहनाकर जिला अध्यक्ष श्री राजू बाथम जी का भव्य स्वागत किया इस अवसर पर बीजेपी कार्यकर्ताओं के अलावा अन्य लोगों का बैठक में मुख्य रूप से योगदान सभी का रहा।

# पूर्व पार्षद राजवीर ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की

**दैनिक पुष्पांजली टुडे**



भिण्ड(ब्यूरो)। पूर्व पार्षद प्रत्याशी राजवीर भीलवार ने ली कांग्रेस पार्टी की सदस्यता आज दिनांक 3 सितंबर 2021 को शाम 7ः00 बजे वार्ड क्रमांक 11 महावीर नगर में पूर्व में समाजवादी पार्टी से पार्षद प्रत्याशी रहे राजवीर भीलवार ने आज एक दर्जन लोगों के साथ कांग्रेस पार्टी की सदस्यता जिला कांग्रेस अध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा के समक्ष ग्रहण की इस मौके पर श्री भीलवार ने कहा पार्टी में पूरी निष्ठा के साथ एक कार्यकर्ता के रूप में कार्य करूंगा कांग्रेस पार्टी ने जिले की कमान नवनियुक्त ऊर्जावान अध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा को देकर जिले के युवाओं में ऊर्जा का संचार करने का कार्य किया गया है युवा ऊर्जावान नेतृत्व में जिले में कांग्रेस एकजुटता और ताकत के साथ तानाशाह सरकार के विरुद्ध आमजन की लड़ाई रोड़ों पर लड़ेगी इस मौके पर पार्टी के युवा नेता रॉकी तोमर प्रमुख रूप से उपस्थित थे। सदस्यता लेने वालों निम्न लोग वीरेंद्र वर्मा ,आकाश वर्मा ,नीरज खटीक, आकाश गजर खेमराज खटीक करण खटीक ,जीतू खटीक, संतोष खटीक, सूरज खटीक, वीर सिंह कुशवाहा, अजय जाटव, सुभाष जाटव,अरविंद कुशवाहा इत्यादि लोगों ने पार्टी की सदस्यता ली।

# इंदौर की बेटी रितु नरवले बनी पहली महिला बस ड्राइवर'

**पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ, दैनिक पुष्पांजली टुडे, 9826576206**

इंदौर । प्रदेश के इंदौर शहर के नाम एक और खिताब जुड़ गया है। इंदौर की बेटी रितु नरवले ने शहर का गौरव बढ़ाते हुये गुरूवार को बीआरटीएस कॉरिडोर में पहली पिंक बस चलायी। बस में 50 महिला यात्री सवार थी। इसके साथ ही रितु प्रदेश की पहली महिला बस ड्राइवर भी बन गई।

### (बचपन से था ड्राइविंग का शौक)

रितु ने बताया कि उसने एक महीने तक रोजाना सुबह 3 से 5 बजे के बीच कॉरिडोर पर बस चलाने का अभ्यास किया था और पूरी तरह प्रशिक्षित होने के बाद गुरुवार को पूरे आत्मविश्वास के साथ बस चलने की शुरुआत की। रितु ने बताया कि उन्हें बचपन से ही ड्राइवर बनने का शौक था। स्कूल के दिनों में उन्होंने बच्चों को भी ड्राइविंग की ट्रेनिंग दी है। आई-बस चलाकर उन्हें बेहद खुशी महसूस हो रही है, उनके घर में माता-पिता, भाई, बहन को भी उनका यह फैसला पसंद आया। उन्होंने कहा सिटी बस कंपनी ने जिस तरह महिलाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया, वह सराहनीय कदम है। इससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा। महिलाओं के लिए चलाई जा रही पिंक बस में पहली बार महिला बस ड्राइवर को देखकर महिला यात्री भी काफी खुश हुई और रितु का उत्साह बढ़ाया।

# पवार समाज लांजी की बैठक दादा कोटेश्वर धाम परिसर लांजी में संपन्न

### पंवार समाज संगठन के विस्तारीकरण को लेकर हुई विस्तृत चर्चा

**रितेश कटरे ब्युरो चीफ, पुष्पांजलि टुडे**

बालाघाट । पंवार समाज को संगठित, एकत्रित और शक्तिशाली करने के उद्देश्य को लेकर स्वजातीय बंधुओं की उपस्थिति में तहसील स्तर पर कार्यकारिणी के पुनर्गठन को लेकर दादा कोटेश्वर धाम की पावन पवित्र भूमि पर बेठक का आयोजन किया गया। जिसमें तहसील लांजी अंतर्गत आने वाले पवार निवासी ग्राम से लोग आए तथा संगठन के विस्तारीकरण को लेकर अपने अपने विचार रखें। पंवार समाज के बैठक की शुरुआत पवार समाज के आराध्य चक्रवर्ती शासक राजा भोज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया ?तत्पशचात कार्यक्रम पर चर्चा की गई। जंहा सभी के द्वारा अपना परिचय दिया गया।

### हमारा समाज समृद्ध बने, संगठित रहें - महेंद्र पटेल अध्यक्ष पवार समाज संगठन लांजी

बैठक पश्चात पत्रकार वार्ता के दौरान पंवार समाज संगठन लांजी के अध्यक्ष श्री महेंद्र पटेल ने कहा कि हमारा एक कदम और एक प्रयास यही है कि हमारा समाज समृद्ध बने, संगठित रहें। कोरोना काल को दृष्टिगत रखते हुए समाज के संगठन विस्तारीकरण नहीं कर पाएं। आगे समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों के समान को लेकर भी कार्ययोजना तैयार की जाएगी। समाज की संस्कृति को एक दिशा प्रदान की जाएगी। वहीं संगठन के विस्तारीकरण को लेकर आगे शिघ्र ही बैठक आहूत की जाएगी।

### इनकी रही उपस्थिति

इस दौरान पंवार समाज संगठन लांजी के अध्यक्ष महेन्द्र पटेल , देवेश एड़े, भुपेश कटरे, पंकज चौधरी, महेंद्र एड़े, राहुल बिसेन, नितिन हरिणखेड़े, डा हरिणखेड़े, नेहल गौतम, संजय टेंभरे , रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट एवं स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

# पुलिस ने स्वयं संभाला मोर्चा, डीआईजी ग्वालियर ने बचाई 02 लोगों की जान

**ब्यूरो पुष्पांजली टुडे**

गुना। जिला गुना के बेंहटाघाट के निकट से बहने वाली सिंध नदी में स्थित एक मंदिर के 01 पुजारी अपने सेवक के साथ सिंध नदी के बाढ़ के पानी में फँस गये। सिंध नदी में बाढ़ का पानी आ जाने से गांव के लोग नदी के नजदीक नही गए। डीआईजी ग्वालियर राजेश हिंगणकर के गुना भ्रमण पर होने से कंट्रोल रूम के माध्यम से 02 लोगों के नदी में फंसे होने की सूचना मिलने पर डीआईजी ग्वालियर स्वयं अपनी टीम लेकर मौके के लिए रवाना हो गए और टीम के अन्य सदस्यों के साथ योजना बनाकर खुद नदी में कूद पड़े और उनके साथ उनके सहयोगी अक्षुण्ण बोहरे भी नदी में कूद गए। निर्भीकता और साहस के साथ टीम के अन्य सदस्यों के सहयोग से 102 वर्षीय साधु को सेवक के साथ सुरक्षित बाहर निकाला। उक्त दौरान सिंध नदी में बाढ़ का पानी आ जाने से नदी का जलस्तर बाद हुआ था।ग्वालियर संभाग के रेंज छ्द्धत्र श्री राजेश हिंगणकर एवं सूबेदार अक्षुण्ण बोहरे द्वारा अपनी टीम के सहयोग से रेस्क्यू टीम के साथ मिलकर रेस्क्यू किया।

### डीआईजी ग्वालियर नदी में कूदे-

डीआईजी द्वारा नदी पर पहुंचकर देखा कि सिंध नदी के बड़े हुए जलस्तर में मंदिर के पुजारी 102 वर्षीय श्याम गिरी महाराज अपने 45 वर्षीय सेवक कल्याण सिंह के साथ फंसे हैं, ऐसी विषम परिस्थिति में उनके द्वारा खुद अपनी जान की परवाह किए बिना अपनी टीम के अक्षुडन बोरे के साथ नदी में कूद गए और टीम के अन्य सदस्यों के सहयोग से रबड़बोट के माध्यम से दोनों को बाहर निकलवाया।

### ग्रामीणों ने की कार्रवाई की सराहना-

डीआईजी ग्वालियर अपने सहयोगियों के साथ नदी में फॅसे लोगों को बाहर निकालने में जिस तरीके के तत्परता दिखाई उसे देखकर ग्रामीणोंने उनकी प्रशंसा की।

### नदी में फंसे 2 लोगों को बचाने के बाद उन्हें दूध फलों का कराया सेवन-

सिंध नदी में बाढ़ के पानी में फॅसे होने से दोनों लोगों के भूखे होने के कारण डीआईजी ग्वालियर द्वारा उन्हें दूध एवं फलों का सेवन कराकर नास्ता कराया।

### बचाये गये व्यक्तियों का विवरण ः-

(1) श्यामगिरी महाराज उम्र 102 वर्ष
(2) सेवक कल्याण सिंह उम्र 45 वर्ष

# हरियाणा टीम ने पकड़ा भ्रूण लिंग परीक्षण का बड़ा नेटवर्क

## अवैध कार्य में लिप्त अल्ट्रासाउंड करने वाले महिला सहित 3 पुलिस हिरासत में

**सोनू कुमार माथुर ब्यूरो, पुष्पांजली टुडे**

एटा। एटा जनपद में स्वास्थ्य विभाग की छापामार टीम नाकारा साबित हो गई है। भ्रूण लिंग परीक्षण का बड़ा नेटवर्क गुरुवार को हरियाणा टीम की पीएनडीटी एक्ट के नोडल अधिकारियों ने भंडाफोड़ किया है। क्राइम ब्रांच और हरियाणा की पीएनडीटी नोडल टीम के अधिकारियों ने भ्रूण लिंग के परीक्षण करने वाले एक महिला सहित 3 लोगों को हिरासत में लेकर एटा पुलिस के हवाले किया है। हरियाणा नोडल टीम की इस कार्यवाही से एटा के स्वास्थ्य विभाग की छापामार टीम के नाकारापन की स्थिति खुलकर पटल पर आ गई है।

दरअसल, लंबे समय से एटा जनपद में भ्रूण लिंग परीक्षण की शिकायतें स्वास्थ्य विभाग सहित जनपद के उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आती रहे हैं यूं तो उच्चाधिकारियों द्वारा विभागीय अधिकारियों को समय-समय पर आदेश भी जारी होते रहे, मगर उच्चाधिकारियों के आदेशों को भी बलाए ताक पर रखकर कहीं कोई संज्ञान नहीं लिया गया। ऐसा ही एक मामला जब हरियाणा की पीएनडीटी टीम के संज्ञान में एटा से लाया गया, तो

इसे गंभीरता से लेते हुए हरियाणा पीएनडीटी टीम और क्राइम ब्रांच सक्रिय हो गई। गुरुवार को प्रात हरियाणा क्राइम ब्रांच और

स्वास्थ्य विभाग की पीएनडीटी टीम ने एटा में डेरा जमा लिया। गुडग़ांव से आप्रेशन डिकॉय के तहत की गयी एटा में कार्रवाई के दौरान संचालिका सहित 3 लोगों को गिरफ्तार कर एटा पुलिस के सुपुर्द किया गया है।

यहां बता दें कि एटा जनपद के कोतवाली नगर के मोहल्ला भगीपुर सुनहरी नगर तिराहे पर गुडग़ांव व एटा के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से कार्यवाही कर दलाल व उसकी संचालिका सहित एक अन्य कर्मचारी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पकडे गये दलाल से 20500 रुपये नगद बरामद किए गए हैं। इस कार्यवाही में एक अपराधी छत कूद कर फरार होने में कामयाब रहा है।

हरियाणा के पीएनडीटी टीम के नोडल अधिकारी डॉ अनिल गुप्ता ने बताया कि भ्रूणलिंग परीक्षण की सूचना पर आप्रेशन



डिकॉय के तहत गुडग़ांव से फालो करते उनके सानिध्य में आई टीम ने मिलकर फर्जी डाक्टर के घर छापा मारा। इस दौरान मौके से गुडग़ांव निवासी दलाल सतेन्द्र व अल्ट्रा साउन्ड सैन्टर की संचालिका रूवी व एक अन्य को भ्रुण लिंग की जांच करते रंगे हाथों गिरफ्तार कर मय अल्ट्रा साउन्ड मशीन के थाने लाया गया। जबकि मौके से एक व्यक्ति छत से कूदकर फरार हो गया।

डाक्टर अशोक ने बताया शहरों के मोहल्ला भगीपुर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पुलिस के साथ मिलकर छापामार कार्रवाई की। इस दौरान तीन लोगों को गिरफ्तार कर पुलिस के हवाले किया है। जबकि एक व्यक्ति मौके से फरार हो गया।।

### *कैसे पकड़े गए भ्रुण की जांच करने वाले आरोपी-

टीम ने बताया कि यहा पर भ्रूण लिंग परीक्षण किया जा रहा था। टीम आने की भनक लगते ही यहां पर मौजूद लोगों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस के आगे उसकी योजना फेल हो गई। एक व्यक्ति भागने में सफल रहा है। टीम द्वारा मौके से अल्ट्रासाउंड मशीन आदि सामान बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि गुडगांव से सतेन्द उर्फ सोनू नामक दलाल को फोलो किया गया था। एक लिंग परीक्षण के लिए उसको 35 हजार रुपए गुडगांव में ही नोटों के नम्बर नोट करके दिए गए थे। एटा में पता चला कि शहर के मोहल्ला भगीपुर में एक रूबी नामक महिला अवैध रूप से संचालित मशीन से अल्ट्रासाउंड कर रही है। इस पर सोनू नामक दलाल भी लगा हुआ है, उच्चाधिकारियों के निर्देशन में संयुक्त रूप से भगीपुर स्थित अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर पर छापामार कार्रवाई की गई। यहां से गुडगांव के दलाल सतेन्द और भगीपुर की महिला रूबी जो सचालिका है समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। दलाल के कब्जे से 35 हजार रुपए में से 20 हजार 500 रुपए बरामद किए गए हैं जोकि सीरियल नम्बर से मिलान कर लिए गए हैं।

आपको बताते चलें कि एटा में भ्रुण लिंग परीक्षण का इतना बडा खेल चल रहा था और एटा के स्वास्थ्य विभाग को भनक तक नहीं लगी। इसके साथ साथ एटा अवैध रुप से अस्पतालों का संचालन भी जोरों पर है आखिर यह गरीबों की मौत के सौदागरों का खेल कब बंद होगा।

डाक्टर अभिनव दुवे ने कहा कि जनपद में अवैध संचालन कर्ताओं के खिलाफ कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। विभागीय कार्यवाही से फर्जी अल्ट्रासाउंड संचालकों में खलबली मच गई है।

## वन-टू-वन

### असामाजिक तत्वों द्वारा किया गया उपद्रव, कर्मचारियों से मारपीट कर दी जाएं से मारने की धमकी

**दैनिक पुष्पांजली टुडे।**

भिण्ड।जिले के गोहद थाना क्षेत्र के अंतर्गत डांग के पहाड़ 0आर संचालित साई क्रेशर पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट व तोड़फोड़ का मामला सामने आया है।यहाँ बात दें कि डांग के पास कई लोगो द्वारा गोहद क्रेशर पर किया उपद्रव और क्रेशर से रुपए लूट ले गए।तथा कर्मचारियों की मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। बाद में हरिजन एक्ट लगाने की धमकी दी और खुद अपने हाथो से सिर में पत्थर मारकर धमकी दी जा रही है गोहद चौराहा थाना प्रभारी द्वारा कोई सुनवाई नहीं हुई है इसलिए वहां के कर्मचारियों द्वारा श्री मान एस पी साहब को आवेदन देकर मदद की गुहार लगाई है जिससे निष्पक्ष तरीके से जांच करवाकर आरोपियों पर तत्काल कार्यवाही की जाए।

### पूर्व मंत्री चौधरी राकेश सिंह ने की प्रेस कांफ्रेंस'

**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

भिण्ड(ब्यूरो)। पूर्व मंत्री चौधरी राकेश सिंह चतुर्वेदी ने प्रेस वार्ता करते हुए जिले में नीतिगत तरीके से नहीं हुए स्थानांतरणों को लेकर ली प्रेस वार्ता, पूर्व मंत्री बोले - जातिगत और राजनीतिक विद्रेष के कारण हुए अधिकतर स्थान्तरण, जनप्रतिनिधियों के घर पर बनी स्थान्तरण लिस्ट, सरकार स्थान्तरणों पर करें पुनर्विचार, कल मुख्य सचिव को भोपाल में ज्ञापन सौपेंगे।

### 'वैक्सीनेशन के लिए अधिकारियों को नोडल आफीसर का दायित्व'

**पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ, दैनिक पुष्पांजली टुडे**

9826576206

भोपाल ।कलेक्टर अविनाश लवानिया ने कोविड-19 के अंतर्गत जिले में वैक्सीनेशन कार्य में शत प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक संयुक्त टॉस्क फोर्स का गठन कर अधिकारियों को टीकाकरण करवाने के लिये लक्ष्य निर्धारित किए है। जारी आदेश अनुसार सम्पूर्ण ग्राम पंचायत फंदा ब्लॉक, ग्राम पंचायत बैरसिया ब्लॉक मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भोपाल विकास मिश्रा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) हुजूर आकाश श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर श्रीमती माय अवस्थी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) संत हिरदाराम नगर बैरागढ़ वृत्त एम.पी. सिंह, अपर कलेक्टर दिलीप यादव,अपर आयुक्त नगर निगम, भोपाल चंद्र प्रताप गोहल, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) टीटी नगर, श्री संजय श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर श्री संदीप केरकेट्टा, अपर आयुक्त नगर? निगम, भोपाल श्री शाश्वत मीना को उनके क्षेत्राधिकार का नोडल अधिकारी बनाया गया है। भोपाल जिले के अंतर्गत वैक्सीनेशन का प्रथम डोज सभी पात्र व्यक्तियों को सितम्बर माह के अंत तक तथा द्वितीय डोज सभी पात्र व्यक्तियों को दिसम्बर माह के अंत तक अनिवार्य रूप से वैक्सीनेशन कराए जाने के लिए लगातार प्रयास जारी है।

## सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई तस्वीरे

# गोरमी में चोर गेंग सक्रिय ,चोरों ने व्यापारी के घर से की चोरी ,पुलिस बाहर ही लगाती रही गस्त

**संतोष सिंह भदौरिया, पुष्पांजली टुडे**

9179661562

भिंड /गोरमी थाने से मात्र 500मीटर दूर थाना रोड़ पर 31 अगस्त की रात अज्ञात चोर ने व्यापारी के घर मे टीन सेट से चढ़कर चोरी की घटना को अंजाम दे दिया पुलिस ने फरियादी से आवेदन लेकर चोर की तलाश शुरू कर दी है

जानकारी के मुताबिक मूलचंद गुप्ता पत्तल दोने के व्यापारी है और वो अपनी दुकान के ऊपर के फ्लोर पर किराए से रहते है 31 अगस्त और 1 सितम्बर की रात 1 बजे के लगभग एक अज्ञात चोर ने सामने टीन से चढ़कर कमरे में बक्से में रखे 35 हजार रुपए ओर मोबाइल फोन चुरा लिया और चोर उसी रास्ते से भाग गया घर मे घुसने की पूरी घटना सामने लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई चोर ने पूरी बारदात को 7 से 8 मिनट अंजाम दिया आप को बता दे जब चोर घटना को अंजाम दे रहा था तब पुलिस भी गस्त करते हुए पहले पैदल निकल ओर उसके बाद गाड़ी से भी निकली जब पुलिस निकल रही थी तब चोर सड़क के बगल में





ही छिपा हुआ था गाड़ी निकलने के बाद चोर वहाँ से भाग गया फ़िलहाल पुलिस ने फरियादी से आवेदन लेकर चोर की तलाश शुरू कर दी है। गोरमी थाने अंर्तगत दो माह में करीब आधा दर्जन चोरियां हो चुकी है पर अभी तक पुलिस एक भी चोरी का खुलासा नही कर पाई जिससे पुलिस की छवि आम जनता में धूमिल हो रही है और उन पर लोग सबाल भी उठा रहे है ।

**चोरों को नही पुलिस का खौप**

गोरमी सर्किल में चोर बेखोप चोरियों को अंजाम दे रहे है क्यो की चोरों को पुलिस का बिल्कुल खोप नही है पिछले दो महीने में चोरों ने गोरमी नगर एवं सर्कल के मेहदोली एवं मानहड़ गांव में आधा दर्जन चोरियों को अंजाम दे चुके है लेकिन अभी तक पुलिस एक भी चोर को नही पकड़ पाई है।

## मामूली सी कहासुनी पर युवक को कुल्हाड़ी व खुरपी से मारपीट कर किया घायल

**सोनू कुमार माथुर ब्यूरो, पुष्पांजली टुडे**

एटा। घर से स्कूल पढ़ने जा रहे 15 वर्षीय युवक को गांव के ही नामजद लोगों ने मामूली सी कहासुनी को लेकर एक राय होते हुए कुल्हाड़ी फावड़े तथा लाठी-डंडों से जमकर मारपीट की जिससे युवक को गंभीर चोटें आई हैं। मौके पर पहुंचे परिजनों ने घायल को जिला चिकित्सालय भर्ती कराया है जहां उसका उपचार किया जा रहा है। मामला थाना जैथरा क्षेत्र के अंतर्गत गांव नगला डाढा का है जहां मोनू पुत्र स्वर्गीय बबलू उम्र लगभग 15 वर्ष घर से विद्यालय जा रहा था तभी नामजद अभियुक्त राजेश पुत्र रक्षपाल नीरज पुत्र राजेंद्र अखेराम पुत्र राजेंद्र व प्रदीप पुत्र अमर सिंह ने मोनू के साथ मामूली सी कहासुनी पर एक राय होते हुए उसके साथ जमकर मारपीट की जिससे वह लहूलुहान हो गया वही परिजनों ने मोनू को जिला चिकित्सालय पर भर्ती कराया है। फिलहाल जैथरा पुलिस ने मामले को दर्ज कर नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु प्रयास तेज कर दिए है।

## राजविका स्वयं सहायता विकास परिषद संघठन से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के सिखाये गुर



**नेनाराम सिरवी ब्यूरो, पुष्पांजली टुडे**

पाली। रोहट उपखंड क्षेत्र के डूंगरपुर गांव में राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद की आम सभा उद्घाटन समारोह में 9 स्वयं सहायता समूह को वीओ सीआरपी की टीम ललिता शर्मा, सुश्री उषा सिंदल, सुश्री रजनी वैष्णव, ने सात दिन तक दिन गांव में प्रवास कर 92 सदस्यों को राजीविका ग्रुप से जोड़ा गया था। बुधवार को आम सभा का उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ। गांव में आरपी टीम द्वारा 9 स्वयं सहायता समूह को मिलाकर एक दीपक राजीविका महिला ग्राम संगठन डूंगरपुर का गठन किया गया। जिसमें तनिमा, सुश्री दिलखुश, असला राम, आदिने सदस्यों को राजीविका के बारे में जानकारी दी गई और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, नरेगा, उन्नति परियोजना, सिलाई, अचार, पापड़ तैयार करने आदि के ट्रेनिंग के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम में खांडी सरपंच जगमाल राम मेघवाल, राजाराम सरगरा डूंगरपुर, पंचायत समिति सदस्य लक्ष्मण राम सरगरा, मंगलाराम पटेल वार्ड पंच, सुरेंद्र सिंह, चुतरा राम पटेल, नारायण राम पटेल, मदन लाल मेघवाल, रतन पुरी गोस्वामी, सावल राम प्रजापत, सुखाराम सरगरा, ज्ञानेंद्र सिंह, आदि ग्रामीण मौजूद थे।

## एसएसपी ने दंगा नियंत्रण उपकरणों को चलाने का अभ्यास करा आपातकालीन स्थिति से निपटने के बताए गुर

### परखी पुलिस लाइन परिसर की व्यवस्थाएं

**सोनू कुमार माथुर ब्यूरो, पुष्पांजली टुडे**

एटा। शुक्रबार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह द्वारा पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउण्ड में शुक्रवार की परेड के दौरान सलामी के उपरान्त परेड का निरीक्षण कर उपस्थित सभी पुलिसकर्मियों को पुलिस विभाग में ड्यूटी के दौरान ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और जनता के प्रति सदव्यवहार बनाये रखने के निर्देश दिये गये, साथ ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड के दौरान आधुनिक वेपन्स हथियारों के संचालन अथवा रखरखाव के बारे में भी जानकारी दी गयी। साथ ही एसएसपी उदय शंकर सिंह ने दंगा नियंत्रण के बारे में जवानों को बताया। साथ ही इस दौरान किस तरह से दंगाईयों तथा बलवाइयों को नियंत्रित किया जाएगा के बारे में स्वयं प्रदर्शन कर बताया। साथ ही मौजूद पुलिस कर्मियों को आधुनिक हथियारों तथा दंगा रोधी यंत्र, एंटी राइट गन, टियर गैस गन को चलाने के बारे में बताया।

इस दौरान एसएसपी ने मौजूद पुलिस कर्मियों, क्यूआरटी टीम सदस्यों से भी अभ्यास कराया। एसएसपी की मौजूदगी में कराए जा रहे अभ्यास के दौरान पुलिस कर्मियों और टीम सदस्यों का हौसला देखते ही बन रहा था।

परेड के उपरान्त पुलिस लाइन स्थित चिकित्सालय, परिवहन शाखा, क्वार्टर गार्ड, बैरिकों, भोजनालय, बारबर शॉप आदि का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान कुछ जगह खामियां मिलने पर प्रतिसार निरीक्षक को उनके शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया साथ ही भोजनालय आदि में बेहतर साफ-सफाई मिलने पर संबधित कर्मियों की सराहना की गयी। उक्त मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश सिंह, समस्त क्षेत्राधिकारीगण, समस्त शाखा प्रभारी तथा कर्मचारीगण, डायल 112 प्रभारी तथा कर्मचारीगण, क्यूआरटी तथा प्रतिसार निरीक्षक हरपाल सिंह व अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

## प्रसिद्ध खजराना श्री गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी का महोत्सव

# 'गणेश चतुर्थी महोत्सव 10 सितम्बर से कोविड प्रोटोकॉल का पालन होगा'

**पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ, दैनिक पुष्पांजली टुडे**

9826576206

इंदौर । इंदौर के प्रसिद्ध खजराना श्री गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी का महोत्सव कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुये मनाया जायेगा। यह 10 दिवसीय श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव 10 सितंबर से प्रारंभ होगा। श्री गणपति मंदिर खजराना प्रबंध समिति के अध्यक्ष मनीष सिंह के निर्देशानुसार प्रशासनिक तथा अन्य व्यवस्थाएं करने के संबंध में आज मंदिर परिसर में बने सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंदिर प्रशासक एवं निगमायुक्त सुश्री प्रतिभा पाल के





अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मंदिर परिसर में दर्शन व्यवस्था, सेनेटाइजर तथा मास्क की व्यवस्था, विद्युत साज-सज्जा आदि के संबंध में चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि महोत्सव के दौरान कोविड प्रोटोकॉल का पूरा पालन किया जायेगा। बैठक में मुख्य वरिष्ठ पुजारी मोहन भट्ट एवं अशोक भट्ट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, डीएसपी यातयात, एसडीएम शाश्वत शर्मा, अपर आयुक्त नगर निगम वीरभद्र शर्मा, प्रबंधक प्रकाश दुबे, भक्त मंडल के सदस्य श्री अरविंद बागड़ी, गोविंद पाटीदार सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि भगवान श्री गणेश जी महाराज का पंचामृत से स्नान कराकर मोतियों एवं ज्वैलरी से श्रृंगार करके स्वर्ण मुकुट धारण कराए जाएंगे। गणेश चतुर्थी पर सुबह 10-30 बजे कलेक्टर एवं अध्यक्ष मनीष सिंह ध्वज पूजन करेगें। 51 हजार मोदक का भोग लगेगा। दस दिनो तक अलग-अलग तरह से भगवान का श्रृंगार किया जाएगा। पूरे मंदिर को फूलों से सजाया जाएगा। प्रतिदनि भजन होंगे, यह भजन मंचीय रूप से नहीं होगा। भजन सिर्फ दर्शन करने वाले कतारबद्ध श्रद्धालु सुन पायेंगे। किसी को भी रुकने नही दिया जायेगा, दर्शन करके श्रद्धालु आगे बढ़ते जायेंगे। सभी को मास्क लगाना आवश्यक होगा। सेनेटाइजर और मास्क की व्यवस्था भी मंदिर परिसर में की जायेगी।

## नैनो न्यूज

### विक्रम अवार्ड बास्केटबॉल खिलाड़ी हर्षवर्धन सिंह तोमर सम्मानित

**ग्वालियर।** मध्य प्रदेश सरकार के सर्वोच्च खेल पुरस्कार विक्रम अवार्ड के लिए चयनित होने पर अंतर्राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी हर्षवर्धन सिंह तोमर को संकल्प सिद्धि सामाजिक संस्था द्वारा मोमेंटो, श्रीफल एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों ने हर्षवर्धन सिंह को मध्य प्रदेश, देश एवं गवालियर का नाम गौरवान्वित करने के लिए बधाई देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की इस अवसर पर संकल्प सिद्धि सामाजिक संस्था की अध्यक्ष श्रीमती गिरिजा गर्ग, संस्था की सचिव श्रीमती भारती सोलंकी, संस्था की उपाध्यक्ष श्रीमती शालिनी तोमर, रियाज सिद्दीकी, लाखन सिंह तोमर, रोहित राजोरी, ममता राठौर, सुनीता तिवारी, प्रियंका राजपूत मोनिका कुशवाह एवं हर्षवर्धन जी के माता पिता बी पी सिंह तोमर , श्रीमती तृप्ति तोमर उपस्थित थी

### शहर में गंदे पानी की समस्या के निराकरण के लिए व्हाटसप पर करें शिकायत

**ग्वालियर।** नगर निगम आयुक्त श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर गंदे पानी की समस्या का तत्काल निराकरण करने के लिए आमजन इस मोबाइल नम्बर 8815878098 पर व्हॉटसप कर सकते हैं, जिससे समस्या का तत्काल निराकरण किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त श्री आशीष तिवारी ने गत दिवस शहर के नागरिकों को पर्याप्त व स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जल प्रदाय करने वाले अधिकारियों की बैठक ली तथा आवश्यक दिशा निर्देश सभी अधिकारियों को दिए इसके साथ ही गंदे पानी की शिकायत के लिए एक नम्बर जारी करें तथा शिकायतें दर्ज कर उनका तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में उपरोक्त मोबाइल नम्बर पर आमजन शहर के किसी भी क्षेत्र में गंदे पानी की समस्या के लिए अपना वार्ड नम्बर एवं स्थान डालकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उक्त नम्बर पर केवल व्हॉटसप पर ही मैसेज करें, कॉल न करें। जिससे तत्काल समस्या का निराकरण किया जा सके।

### लूट और डकैती के दो आरोपी गिरफ्तार

**ग्वालियर।** 2 माह पहले महाराजपुरा थाना क्षेत्र के सुसेरा कोठी में एक महिला के घर लूट और डकैती कर फरार हुए दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है ।जानकारी के अनुसार पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के सुसेरा कोठी निवासी एक महिला के घर 2 माह पहले लूट और डकैती की घटना को कुछ बदमाशों ने अंजाम दिया था। उसके बाद से बदमाश फरार हो गए थे ।बीते रोज पुलिस को सूचना मिली की डकैती के आरोपी अपने घर आए हैं। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी रामबरन किरार और कमल सिंह किरार को गिरफ्तार कर लिया है ।पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है।

### शराब के लिए पैसे देने से मना करने पर चाकू मारा

**ग्वालियर।** शहर के मुरार थाना क्षेत्र में टप्पा तहसील के बाद चार युवकों ने एक युवक से शराब के लिए पैसे मांगे मना करने पर आरोपियों ने युवक की मारपीट कर उसे चाकू मारकर घायल कर दिया और भाग गए ।पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है ।जानकारी के अनुसार मुरार लाल टिपारा निवासी जितेन्दर सिंह तोमर बीते रोज टप्पा तहसील के पास आ रहे थे। तभी शेरू गोस्वामी दीपक रावत मयंक पवार तथा सचिन शर्मा ने उसे रोक लिया और शराब के लिए पैसों की मांग की।

# ननि इंजीनियर सड़कों का करवा रहे थे काम चलाऊ पेच रिपेयरिंग, कलेक्टर ने देखा और कहा- क्वालिटी से समझौता नहीं



**ग्वालियर।** आखिरकार ग्वालियर में सड़कों की पेच रिपेयरिंग को लेकर कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह को गुस्सा आ गया। शहर में जर्जर सड़कों की पेच रिपेयरिंग का काम चल रहा है। जयेन्द्रगंज में नगर निगम के इंजीनियर और उपायुक्त प्रेम पचौरी पेच रिपेंयरिंग करा रहे थे। इसी समय वहां से कलेक्टर विक्रम सिंह का वहां से निकलना हुआ। सड़क पर काम चलाऊ परत बिछाते देख वह वहीं रूक गए। पहले काम को देखा उसके बाद नगर निगम के इंजीनियरों को फटकार लगाई है। कलेक्टर सिंह ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि सड़क की पेच रिपेयरिंग में क्वालिटी से समझौता बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस पर प्रभारी नगर निगम आयुक्त को भी स्पष्ट रूप से कहा है कि वह क्वालिटी पर फोकस कराएं। साथ ही कहा है कि जहां-जहां इस तरह की पेच रिपेयरिंग की गई है वहां फिर से काम करें। कलेक्टर के तेवर देखकर अफसर यहां वहां भागते नजर आए हैं।

मध्य प्रदेश में इस समय सड़कों को लेकर सरकार की काफी फजीहत हो चुकी है। चाहे वह भोपाल राजधानी की सड़कें हो या केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और नरेन्द्र सिंह तोमर का गढ़ ग्वालियर हो। हाल ही में ग्वालियर प्रवास पर आए प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने भी जर्जर सड़कों पर जिला प्रशासन को आड़े हाथ लिया था। प्रभारी मंत्री सिलावट ने अफसरों को 10 दिन का अल्टीमेटम दिया था। साथ ही कहा था कि शहर की सड़कों की देखभाल और मेंटेनेंस की जिम्मेदारी नगर निगम की है। 10 दिन बाद आऊंगा तो सड़कें दुरूस्त मिलनी चाहिए। प्रभारी मंत्री की फटकार के बाद नगर निगम के अमले ने शहर के प्रमुख स्थलों की सड़कों पर पेचवर्क शुरू कर दिया है। पर यह काम स्थायी न होकर काम चलाऊ ढंग से किया जा रहा है। इसकी पोल गुरुवार शाम उस समय खुली जब ग्वालियर कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह अचानक जयेन्द्रगंज पहुंच गए। वह निकले तो निरीक्षण के लिए थे, लेकिन सड़क बनती देखी तो वहीं रूक गए। उन्होंने देखा कि जर्जर सड़क पर गड?ढों में पतला से डामर और गिट्टी डालकर काम चलाऊ पेच रिपेयरिंग की जा रही थी। इस पर वह तत्काल वाहन से उतरे और सड़क बनवा रहे नगर निगम के उपायुक्त और इंजीनियर प्रेम कुमार पचौरी की क्लास ले ली। उन्होंने सड़क की पेच रिपेयरिंग की क्वालिटी को हल्का बताकर कड़ी फटकार लगाई है। साथ ही चेतावनी दी है कि यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी।

**निगम के इंजीनियर मॉनीटिरंग करें, क्वालिटी से समझौता नहीं:** कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने निगम के पेच रिपेयरिंग प्रभारी प्रेम पचौरी और भवन अधिकारी अहिरवार से कहा कि इतना गुणवत्ताहीन पेच रिपेयरिंग का कार्य क्यों हो रहा है। आप लोग क्या देख रहे हैं। काम की क्वालिटी की जवाबदारी इंजीनियरों की है। कहीं पर भी काम में क्लालिटी कम मिली तो उस क्षेत्र के इंजीनियर के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने निगम के इंजीनियरों को यह भी निर्देशित किया है कि शहर में जिन सड़कों पर पेच रिपेयरिंग का कार्य किया जा रहा है, वहां पर निगम के इंजीनियर स्वयं उपस्थित होकर कार्य की मॉनीटरिंग करें।

### सांसद श्री शेजवलकर ने टीकाकरण केन्द्र पहुँचकर किया उत्साहवर्धन

**ग्वालियर।** ग्वालियर जिले में कोविड-19 के प्रथम डोज के शतप्रतिशत टीकाकरण के लिए चलाए जा रहे 10 दिवसीय विशेष अभियान के तहत शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में टीकाकरण का कार्य किया जा रहा है। क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने शुक्रवार को जनकगंज डिस्पेंसरी पहुँचकर टीकाकरण कराने आए लोगों का उत्साहवर्धन किया। सांसद श्री शेजवलकर ने टीकाकरण केन्द्र पर उपस्थित लोगों से कहा कि कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम का सबसे सशक्त माध्यम टीकाकरण ही है। सभी लोग टीकाकरण अवश्य कराएँ। इसके साथ ही अधिक से अधिक लोगों को टीकाकरण के लिये प्रेरित भी करें। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कमल माखीजानी, एसडीएम लश्कर श्री अनिल बनवारिया, सीएमओ डॉ. मनीष शर्मा, श्री मुरारी मित्तल सहित जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

## 241 करोड़ की रोड में भ्रष्टाचार की शिकायत, ईओडब्ल्यू ने शुरू की जांच

**ग्वालियर।** स्मार्ट सिटी योजना के तहत स्मार्ट रोड के टेंडर में भारी गड़बड़ी की शिकायत पर आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने प्राथमिक जांच शुरू की है। स्मार्ट सिटी ने इस 15.26 किलोमीटर लंबी सड़क के लिए 241 करोड़ रुपए का टेंडर 23 फीसदी अधिक राशि पर मंजूर किया गया है। जिससे यह टेंडर 299 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जबकि प्रदेश के अन्य शहरों में स्मार्ट सिटी के टेंडर निर्धारित दर से कम राशि पर मंजूर किए गए हैं। टेंडर में एसओआर दर निर्धारण में भी गड़बड़ी की गई है। स्मार्ट सिटी की इस स्मार्ट रोड में गड़बड़ी की शिकायत संदीप शर्मा ने की थी। इस टेंडर के तहत महाराज बाड़े पर अंडर ग्राउंड पार्किंग और पैदल मार्ग का भी निर्माण किया जाना है। स्मार्ट सिटी के लिए यह टेंडर केपीएमजी कंपनी के इंजीनियर व अधिकारियों ने तैयार किया था, इसके बाद भी अधिकारियों ने इसे 23 फीसदी अधिक दर पर मंजूर कर दिया। इस टेंडर में राजस्थान, महाराष्ट्र व कर्नाटक राज्यों के एसओआर दर को शासन की बिना मंजूरी के लिया गया है जबकि प्रदेश के एसओआर दर से टेंडर मंजूर किए जाने थे। टेंडर में कुटेशन व इस्टीमेट की दरों में भी काफी अंतर है। जिले में अमृत प्रोजेक्ट, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य सभी बड़ी योजनाओं के टेंडर कम दर पर मंजूर किए गए हैं। केवल स्मार्ट सिटी का टेंडर ही अधिक दर पर है। यह टेंडर भी दूसरे प्रयास में हुआ और पहले प्रयास में जिस कंपनी ने 40 फीसदी अधिक पर टेंडर डाला था उसने दूसरा टेंडर 23 फीसदी अधिक पर डाला।

## माधव वृद्धाश्रम : संजय धूपर-हर्षिता ने गीतों से समां बांधा

**ग्वालियर।** माधव बाल निकेतन एवं वृद्ध आश्रम में आज मोहम्मद रफी के नगमे व गीत सुप्रसिद्ध गायक संजय धुपर के द्वारा गाये गए। जैसी जैसी मोहम्मद रफी के गानों की बयार वही वैसे वैसे श्रोता मंत्रमुग्ध होते गए। इस अवसर पर कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत अभिनंदन संस्था के चेयरमैन नूतन श्रीवास्तव ने किया और उन्होंने उपस्थित अतिथियों एवं श्रोता गणों को संस्था की गतिविधियों के बारे में भी बताया।

माधव बाल निकेतन एवं वृद्धाश्रम में गत दिवस मोहम्मद रफी के नगमे की शाम का आयोजन किया गया। जिसमें सुप्रसिद्ध गायक संजय धुपर जी द्वारा मोहम्मद रफी के कई तराने कई गाने सुनाए गए। वृद्ध आश्रम में मौजूद वृद्धों ने भी अपने अपने पसंद के गीतों को बताया इसे गीतकार संजय धुपर जी ने अपनी मधुर आवाज और सुरों के साथ सुना कर वृद्धों को मंत्रमुग्ध कर दिया । वृद्धों के अलावा सैकड़ों की संख्या में मौजूद श्रोताओं ने भी गीतों का आनंद लिया और तमाम फरमाइशों के साथ गीतों का सिलसिला सांय 6ः00 बजे से शुरू होकर रात्रि 10ः30 तक चला। 4 घंटे से अधिक चले इस संगीतमय कार्यक्रम में 11 डुअल गीत और 20 सोलो गाये गए। जिसमें मोहम्मद रफी के सुपरहिट तराने चलते चलते मेरे गीत याद रखना..... खोया खोया चांद खुला आसमान..... आने से उसके आए बहार .....चुरा लिया है तुमने जो दिल को .....आजा तुझको पुकारे मेरा प्यार...... क्या हुआ तेरा वादा...... आज मौसम बड़ा बेईमान है बड़ा बेईमान है...... जैसे कई गाने सुप्रसिद्ध गायक संजय धुपर उनकी धर्मपत्नी वैशाली धुपर एवं हर्षिता कुशवाह ने अपनी मधुर आवाज में गीतों को संजोकर श्रोताओं का मन मोह लिया ।

## श्री भृगु ब्राह्मण (भार्गव) समाज की कार्यकारिणी भंग नहीं हुईः जिलाध्यक्ष अरूण शर्मा



**ग्वालियर।** श्री भृगु ब्राह्मण (भार्गव) समाज जिला ग्वालियर की विगत दिवस समाज के लोगों द्वारा समाज की कार्यकारिणी को भंग करने का जहां खंडन किया है। वहीं उन्होंने ऐसी खबरों से समाज की छवि भी धूमिल हो रही है। उक्त जानकारी आज श्री भृगु ब्राह्मण समाज ग्वालियर के अध्यक्ष अरूण शर्मा ने पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि एउनका कार्यकाल अप्रैल 2020 में समाप्त हो गया था। लेकिन उसी समय से वैश्विक महामारी कोरोना के कारण ना कोई समाज के काम हुये और ना ही कोरोना गाइड लाइन के कारण चुनाव भी संपन्न नहीं हो सके। उन्होंने बताया कि गत 31 अगस्त को उन्होंने स्वयं एक बैठक आहुत की थी। उसमें तय किया गया कि समाज के ही 11 लोगों की एक संरक्षक मंडल बनाकर चुनाव कराने या फिर इसी कार्यकारिणी को यथावत रखने का फैसला समाज के लोगों से मिलकर करने की बात कही गई थी। उसके बाद जब वहां से लगभग 80 प्रतिशत लोग चले गये उसके बाद समाज के ही विध्नकारी लोगों ने एक यह तय कर लिया कि कार्यकारिणी को भंग किया जा सकता है। इसमें उनके ही समाज के एक महामंत्री के साथ विध्नकारी गुट के लोग भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि महामंत्री को जिलाध्यक्ष को हटाने का अधिकार ही नहीं है। वहीं कोई भी चुनी हुई कार्यकारिणी को दो तिहाई के बहुमत से हटाया जा सकता है। जबकि मौके पर मात्र 20 लोग ही थे। उन्होंने कहा कि अब उनके द्वारा बनाया जा रहा संरक्षक मंडल समाज के हित में जो भी निर्णय लेगा वह सभी को मान्य होना चाहिये। उन्होंने कहा कि वहीं चुनाव कराने वाले सदस्य एडवोकेट गिरीश शर्मा भी अब जिन लोगों के नाम से समाचार पत्रों में समाचार कार्यकारिणी भंग करने का दिया गया है को कारण बताओ नोटिस देकर उनसे जबाब मांगेगे। इस मौके पर समाज की महिला शाखा की जिलाध्यक्ष अनीता भार्गव , गजेन्द्र तिवारी आदि मौजूद थे।

## पत्नी को मायके छोड़कर ड्यूटी के लिए निकला सेना का जवान लापता, अब फौजी की तलाश करेगी पुलिस



**ग्वालियर।** ग्वालियर में एक फौजी खो गया है। वह पत्नी को मायके में छोड़ने के बाद असम अपनी ड्यूटी के लिए निकला था, लेकिन न तो सेना का जवान असम में अपनी यूनिट पहुंचा है न ही वापस अपने घर लौटा है। घटना गोला का मंदिर नारायण विहार कॉलोनी की है। फौजी के लापता होने के बाद से मोबाइल बंद आ रहा है। इस पर पत्नी ने मामले की शिकायत गोला का मंदिर थाना में की है। अब पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली है और जवान को ढूंढ़ने के लिए फोर्स लगा दिया गया है। भिण्ड के डोंगरपुर निवासी भूपेन्द्र सिंह तोमर (29) पुत्र ओमकार सिंह तोमर सेना में जवान हैं। अभी भूपेन्द्र पूर्वी राज्य असम में तैनात है। रक्षाबंधन से पहले वह छुट्?टी पर अपने घर आया हुआ था। 22 अगस्त को त्योहार के दिन वह पत्नी को लेकर उसके मायके ग्वालियर के गोला का मंदिर स्थित नारायण विहार कॉलोनी में आया था। इसके बाद वह अपने घर चला गया। अभी दो दिन पहले वह ड्यूटी पर निकलते समय पत्नी से मिलता हुआ गया था। बोला था कि दो दिन में पहुंच जाएगा। पर घर से निकलने के कुछ देर बाद से ही उसका मोबाइल बंद हो गया। पत्नी ने काफी कॉल किए, लेकिन कुछ पता नहीं चला। पत्नी को लगा कि ट्रेन में होंगे और मौसम भी खराब है। जिस कारण नेटवर्क नहीं मिल रहा होगा। लगातार मोबाइल स्विच ऑफ होने के बाद भूपेन्द्र की पत्नी व ससुर ने उसके हेड क्वॉर्टर कॉल किया तो पता चला कि वह ड्यूटी पर पहुंचा ही नहीं है। इसका पता चलते ही परिजन को काफी चिंता हो गई और वह सीधे गोला का मंदिर थाने पहुंचे। परिजन ने पुलिस के सामने फौजी के लापता होने की सूचना दी है। एक बार तो पुलिस भी हैरान रह गई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर फौजी की तलाश शुरू कर दी है।

**मोबाइल लोकेशन और CCTV से ताश जारी:** पुलिस ने फौजी की तलाश शुरू कर दी है। सबसे पहले पुलिस ने उसके मोबाइल को सर्विलांस पर लगा दिया है। उसकी लास्ट लोकेशन निकालने के साथ ही रेलवे स्टेशन पर लगे ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे की फुटेज भी निकाली जा रही है। जिससे पता चल सके कि वह ट्रेन में सवार हुआ भी है या नहीं। इस मामले में थाना प्रभारी गोला का मंदिर विनय शर्मा ने जल्द फौजी का पता लगाने की बात कही है।

**एक अन्य युवक लापताः** गोला का मंदिर के पिण्टो पार्क निवासी भूरा कुशवाह उर्फ भगवान प्राइवेट कंपनी में जॉब करता है। दो दिन पहले वह घर से ड्यूटी जाने के लिए निकला था। उसके बाद वह वापस ही नहीं लौटा है। उसके वापस नहीं आने पर परिजन ने उसकी तलाश की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला।

## दतिया-ग्वालियर में एक महीने बाद भी कई ग्रामीण बेघर; आर्थिक सहायता मिली, पर इससे मकान बनाना तो दूर मरम्मत भी नहीं हो पा रही





**ग्वालियर।** 2 अगस्त को सिंध, पार्वती और नोन नदी में आई बाढ़ से दतिया और ग्वालियर के 82 गांवों में तबाही का मंजर आज भी वैसा ही है, जैसा पहले दिन था। गांव के लोग खेतों में रिफ्यूजी की तरह कैंप या स्कूलों में बने राहत शिविरों में रह रहे हैं। न छत है और न पहनने को कपड़े। सरकार से आर्थिक मदद तो मिली है, लेकिन उससे मकान बनना तो दूर मरम्मत भी नहीं हो पा रही। गांव में गंदा पानी और कीचड़ में पनप रहे मच्छर घुसने नहीं दे रहे। एक महीने बाद भी इन गांवों में जिंदगी की गाड़ी पटरी पर आती नजर नहीं आ रही। लोग जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मामले में संभागीय आयुक्त आशीष सक्सेना का कहना है कि लगातार आर्थिक सहायता लोगों तक पहुंचाई जा रही है। धीरे-धीरे हालात सामान्य हो रहे हैं।

**3 गांवों के 150 मकान टूट गए थेः** डबरा क्षेत्र के लड़ैयापुरा, अजीतपुरा और झंडापुरा में एक माह बाद भी हालत सामान्य नहीं हुए हैं। इन तीनों गांव में करीब 150 मकान बाढ़ के पानी के कारण प्रभावित हुए थे। तभी से लड़ैयापुरा और अजीतपुरा के लोग गांव से करीब 5 किलोमीटर दूर खुले खेतों में तंबू बनाकर रिफ्यूजी की तरह रह रहे हैं। झंडापुरा में लोग गांव में पहुंच गए हैं। जर्जर मकानों के बाहर तंबू ही लगाया गया है। गांव में कीचड़ और गंदगी के कारण मच्छरों ने जीना मुहाल कर रखा है। हाल यह है कि हर तीसरा व्यक्ति बीमारी की चपेट में है। अब बाढ़ प्रभावितों के खातों में सरकार की राहत राशि पहुंचना शुरू हो गई। गांव के लोगों का कहना है कि जो राशि आई है, उससे मकान का मेंटेनेंस तक नहीं हो सकता।

**आटा, नमक में कब तक गुजारें जिंदगीः** बाढ़ के कारण लड़ैयापुरा में 52 और अजीतपुरा में 56 परिवार प्रभावित हुए थे। दोनो ही गांव के लोग कई किलोमीटर की दूरी पर खेतों में खुले में कैंप लगाकर रह रहे हैं। एक परिवार के लिए पन्नियों का एक तंबू बनाया गया है, जिसमें परिवार के करीब 6 से 7 लोग रह रहे हैं। गांव के नवल सिंह बाथम और अनीता का कहना है कि बाढ़ के बाद प्रशासन की तरफ से उन्हें महज आटा और नमक मिला है, जो एक मजाक की तरह है। यदि समाजसेवी संस्थाएं और युवा शक्ति संगठन ने गोद न लिया होता, तो वह भूखे मर जाते। लडैंयापुरा के लोग बाढ़ के बाद से गांव ही नहीं गए हैं। वहीं, अजीतपुरा में इक्का-दुक्का परिवार दिन में अपने घरों की सफाई करने के लिए चले आते हैं।

**दिन में गर्मी, रात को मच्छर सता रहे, बढ़ रही बीमारियांः** पिछले एक माह से लोग खुले में खेतों में रह रहे हैं, न पीने के लिए पानी की व्यवस्था है और न ही शौचालय। करीब एक किलोमीटर दूर लगे हैंडपंप से पीने के लिए पानी लाना पड़ रहा है। वहीं, बिजली न होने से दिन में गर्मी से बेहाल हो रहे हैं। रात में मच्छर काट रहे हैं, जिससे लोग बीमार हो रहे हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478